सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 343 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 26 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

झारखंड के बोकारो में पलटी मालगाड़ी रेल, 15 ट्रेनों के मार्ग बदले गए, आरपीएफ जांच में जुटी

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो में एक ट्रेन हादसा हुआ है। दरअसल एक मालगाड़ी पटरी से उतरकर पलट गई। इस हादसे के चलते कई ट्रेनों के संचालन में देरी हुई है और वहीं कई ट्रेनों के मार्ग को बदला गया है। ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। आरपीएफ की टीम घटना की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार बोकारो के तुपकाडीह से गुजर रही एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई, जिससे ट्रेन के दो डिब्बे पलट गए। यह घटना तुपकाडीह और राजाबेरा सेक्शन के बीच हुई। मालगाड़ी बोकारो स्टील प्लांट से स्टील की खेप लेकर आ रही थी। ट्रेन के पटरी से उतरने की घटना तुपकाडीह स्टेशन के उत्तरी केबिन यार्ड के पास हुई और इससे बोकारो-गोमो सेक्शन पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। हादसे के बाद डाउन लाइन ट्रैक पर ट्रेनों का परिचालन स्थगित कर दिया गया है। आरपीएफ बोकारो की 15 सदस्यीय टीम मौके पर मौजूद है और घटना की जांच कर रही है। दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। फिलहाल ट्रैक को साफ कर ट्रेनों की आवाजाही सामान्य करने की कोशिश की जा रही है।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे के चलते इस रूट पर चलने वाली 15 ट्रेनों को मार्ग को बदला गया है। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) सुमित नरूला ने बताया, 'बोकारो जिले के तुपकाडीह स्टेशन के पास कल रात करीब 9 बजे स्टील की खेप ले जा रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। हमने 14 एक्सप्रेस ट्रेनों सहित 15 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया है।' नरूला ने बताया कि, 'प्रभावित लाइनों में से एक को ठीक कर दिया गया है, जबकि सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए दूसरी लाइन को बहाल करने का काम चल रहा है।'

मानहानि मामले में शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत को 15 दिन जेल और 25 हजार जुर्माने की सजा

मुंबई (एजेंसी)। मानहानि मामले में शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत को दोषी करार दिया गया है। संजय राउत को 15 दिन की जेल और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। संजय राउत के खिलाफ यह मामला भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया ने दायर कराया था। संजय राउत ने किरीट सोमैया की पत्नी के एनजीओ पर कथित 100 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाया था।

साल 2022 में संजय राउत ने आरोप लगाया था कि भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया का एनजीओ, मुंबई के मीरा भयंदर इलाके में बनाए गए शौचालयों के निर्माण में हुए कथित 100 करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल हैं। संजय राउत के आरोपों को किरीट सोमैया ने आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया और घोटाले का सबूत देने की मांग की थी। जब संजय राउत ने इसके सबूत नहीं दिए तो इसके बाद किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट सोमैया ने संजय राउत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया।

तय होगा धान खरीदी का नया सिस्टम

30 सितम्बर को होगी मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी कब से होगी और कब धान खरीदी त्यौहार मनाया जाएगा, यह तय करने के लिए 30 सितम्बर को मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक बुलाई गई है। हालांकि हर साल 1 नवम्बर से धान की खरीदी की शुरूआत होती है। इस बार यह खरीदी कब होगी, यह मंत्रिमंडलीय उपसमिति तय करेगी। वहीं दूसरी ओर प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार ने श्रमिकों का महंगाई भत्ता बढ़ा दिया है। बढ़ी हुई दरें 1 अक्टूबर से लागू होंगी।

धान खरीदी का दौर छत्तीसगढ़ में शुरू होने वाला है। हर साल नवंबर महीने से धान खरीदी की शुरुआत प्रदेश में होती है। इस बार धान तिहार की शुरुआत कब से होगी इसको लेकर मंत्रि मंडलीय उप समिति की बैठक 30 सितंबर को बुलाई गई है। इस मीटिंग में धान खरीदी की कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा होगी। प्रदेश में कितने धान खरीदी केंद्र बनाए जाएंगे और धान के तौल से लेकर उठाव तक के फैसलों पर मुहर लगेगी। धान खरीदी और कस्टम मिलिंग के लिए मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक 30 सितंबर को मंत्रालय के महानदी भवन में होगी। दोपहर 12 बजे से यह मीटिंग शुरू होगी। इसमें आगामी खरीफविपणन वर्ष की धान खरीदी एवं कस्टम मिलिंग की नीति पर चर्चा होगी। इस मीटिंग की अध्यक्षता खाद्यमंत्री दयालदास बघेल करेंगे।

धान खरीदी से जुड़ी मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में कृषिमंत्री रामविचार नेताम, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, वित्तमंत्री ओपी चौधरी, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और मंत्री टंकराम वर्मा शामिल होंगे। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत एक नवंबर 2023 से हुई थी। इस वर्ष धान खरीदी का लक्ष्य 130 लाख मीट्रिक टन रखा गया था। कुल 26.86 लाख किसानों ने धान तिहार को लेकर रजिस्ट्रेशन कराया था, जिसमें कुल पंजीकृत रकबा 33.22 लाख हेक्टेयर था। कुल 2.59 लाख नए किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। इसमें टोकन तुंहर हाथ एप के जरिए भी टोकन जारी किए गए थे।

साल 2023-24 को लेकर जारी खाद्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 144.92 लाख मीट्रिक धान की खरीदी हुई, जो खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 की तुलना में 37.39 लाख मीट्रिक टन ज्यादा है। साल 2024 में साय सरकार ने 31 जनवरी 2024 की धान खरीदी डेट को बढ़ाकर 4 फरवरी 2024 तय कर दिया था, जिससे कई किसानों को फायदा हुआ। कुल 24 लाख 72 हजार 310 किसानों ने चार फरवरी 2024 तक समर्थन मूल्य पर धान बेचा। किसानों को धान खरीदी का 30 हजार 68 करोड़ 81 लाख रूपए का पेमेंट किया गया।

तय हुई महंगाई भत्ते की नई दरें

इधर, छत्तीसगढ़ में श्रम विभाग ने श्रमिकों के लिए महंगाई भत्ते की नई दर तय की है, जिसका लाभ 1 अक्टूबर से मिलेगा। यह नई दरें 45 अनुसूचित क्षेत्रों में काम करने वाले कृषि श्रमिकों और अगरबत्ती निर्माण में लगे श्रमिकों पर लागू होंगी। श्रमायुक्त अलरमेलमंगई डी ने यह आदेश जारी किया है। नए महंगाई भत्ते के अनुसार, नॉन-स्किल लेबर को 10,948 रुपए, सेमी-स्किल लेबर को 11,598 रुपए, स्किल लेबर को 12,378 रुपए और हाई-स्किल लेबर को 13,158 रुपए मासिक वेतन मिलेगा। औद्योगिक सूचकांक के अनुसार, जनवरी 2024 से जून 2024 के बीच हुई वृद्धि के आधार पर कृषि श्रमिकों का महंगाई भत्ता प्रतिमाह 145 रुपये बढ़ा है। वहीं, अगरबत्ती उद्योग के श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में औसत वृद्धि के आधार पर उनका महंगाई भत्ता 7.21 रुपए प्रति हजार अगरबत्ती के मान से निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, तंबाकू विनिर्माण में नियोजित श्रमिकों के लिए महंगाई भत्ते में 28.30 रुपए प्रति हजार बीड़ी के मान से वृद्धि की गई है।

न्यूनतम वेतन की दरें भी निर्धारित

श्रमिकों के लिए 1 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2024 तक न्यूनतम वेतन की दरें भी निर्धारित की गई हैं। इसमें अकुशल 'अ' वर्ग के लिए 10,948 रुपए, 'ब' वर्ग के लिए 10,688 रुपए और 'स' वर्ग के लिए 10,428 रुपए निर्धारित किए गए हैं। अर्द्ध-कुशल 'अ' वर्ग के लिए 11,598 रुपए, 'ब' वर्ग के लिए 11,338 रुपए और 'स' वर्ग के लिए 11,078 रुपए निर्धारित किए गए हैं। कुशल 'अ' वर्ग के लिए 12,378 रुपए, 'ब' के लिए 12,118 रुपए और 'स' के लिए 11,858 रुपए निर्धारित किए गए हैं। उच्च कुशल 'अ' वर्ग के लिए 13,158 रुपए, 'ब' के लिए 12,898 रुपए और 'स' वर्ग के लिए 12,638 रुपए निर्धारित किए गए हैं।

कल से थम जाएगा मानसून : झमाझम बारिश से सुबह की शुरुआत, 7 जिलो में यलो अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में मानसून की विदाई का समय आ गया है। 27 सितंबर से प्रदेश में मानसून की गतिविधियां कम हो जाएंगी। मौसम केन्द्र रायपुर ने इस संबंध में जानकारी दी है। यही नहीं मानसून की गतिविधियां कम होने से एक दिन पहले 7 जिलों के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इस बीच गुरुवार की सुबह छत्तीसगढ़ के कई जिलों में झमाझम बारिश हुई। बारिश के कुल आंकड़ों की बात करें तो 1 जून से अब तक प्रदेश में 1176 मिमी बारिश हुई है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के

अनुसार अभी प्रदेश में मानसून सक्रिय है। प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गयी। सर्वाधिक वर्षा स्टेशन बरमकेला (जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़) में 09 सेमी दर्ज की गयी। वहीं प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 34.1°C AWS सुकमा में तथा सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2°C अम्बिकापुर में दर्ज किया गया।

यह है वर्षा के आंकड़े

बरमकेला 9 सेमी, सरिया 8 सेमी, नयाबाराद्वार 5 सेमी, कुसमी, कुनकुरी, गंगालूर, चंद्रपुर, हसौद, बिलाईगढ़-4 सेमी, कोमाखान, खड़गवा, पुसौर, बड़ेराजपुर, सारंगढ़, डभरा, भोपालपटनम, बस्तर, तोकापाल, जशपुरनगर, मालखरौदा, बागबहार, शंकरगढ़, फरसगांव 3 सेमी, अकलतरा, रामचन्द्रपुर, बम्हनीडीह, घरघोड़ा, सुकमा, कवर्धा, दौरा कोचली, कटघोरा, रामानुजनगर, राजपुर, नवागढ़, मुकडेगा, शिवरीनारायण, कुडा, बलौदा, रायगढ़, केशकाल, जगरगुंडा, छाल, गादीरास, बसना, अड़भार, भनपुरी, मैनपुर, डौंडीलोहारा 2 सेमी तथा अधिकांश स्थानों पर इससे कम वर्षा हुई।

हल्की बारिश के साथ एक दो स्थानों पर गिरेगी बिजली

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी की रेखा फिरोजपुर, सिरसा, चूरू, अजमेर, माउंट आबू, दीसा, सुरेंद्रनगर, जूनागढ़ और 21 डिग्री उत्तर/70 डिग्री पूर्व से होकर गुजर रही है। दक्षिण छत्तीसगढ़ और उसके आसपास के इलाकों में स्थित चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैला हुआ है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है। एक द्रोणिका, उत्तर कोंकण से दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर स्थित उपरोक्त चक्रवाती परिसंचरण से होते हुए दक्षिण बांग्लादेश तक समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर तक फैली हुई है, जो ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुकी हुई है। इसके कारण शुक्रवार को प्रदेश में अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। प्रदेश में एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात एवं कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

भारी बारिश कारण पीएम मोदी का पुणे दौरा रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में भारी बारिश के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पुणे दौरा रद्द करना पड़ा। दरअसल, महाराष्ट्र के कई शहरों में भारी बारिश के कारण हालात चिंताजनक हैं। सड़कों पर जलभराव के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच पीएम मोदी गुरुवार को राज्य का दौरा करने वाले थे। वे यहां पुणे मेट्रो ट्रेन के शुभारंभ के साथ ही वह 22,600 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास भी करने वाले थे। हालांकि भारी बारिश को देखते हुए उन्हें अपना दौरा रद्द करने का फैसला लेना पड़ा।

भारी बारिश के कारण पुणे और पिंपरी चिंचवड़ में स्कूल-कॉलेज बंद रखने का फैसला लिया गया है। मुंबई पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और मौसम विभाग की तरफ से जारी चेतावनी को गंभीरता से लेने की अपील की है। रेलवे परिचालन भी प्रभावित हुआ है। मूसलाधार बारिश के कारण गोवंडी-मानखुर्द के बीच चलने वाली मुंबई लोकल ट्रेनों का परिचालन भी प्रभावित हुआ। आईएमडी ने पुणे जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। नागरिकों को बेवजह घरों से बाहर न निकलने और सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है।

पीएम मोदी इन योजनाओं का करने वाले थे उद्घाटन

पीएम राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत स्वदेशी रूप से विकसित लगभग 130 करोड़ रुपये की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर भी राष्ट्र को समर्पित करने वाले थे। इन सुपरकंप्यूटरों को पुणे, दिल्ली और कोलकाता में अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान की सुविधा के लिए तैनात किया गया है। वे मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का उद्घाटन करने वाले थे। बता दें कि इस परियोजना पर 850 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। पीएम मोदी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र की 10,400 करोड़ रुपये की विभिन्न पहलों का शुभारंभ करने वाले थे। ये पहल ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, ट्रक और कैब चालकों की सुरक्षा और सुविधा, स्वच्छ गतिशीलता और एक टिकाऊ भविष्य पर केंद्रित है।

क्या इन्हें भी चौराहे पर लटकाया जाएगा

श्रीकंचनपथ

देश में कुछ अपराधों को लेकर जनमानस बेहस संवेदनशील है। ऐसे मामलों में वह मांग करती है कि अपराधियों का अंग भंग कर दिया जाए। उन्हें चौराहे पर लटका दिया जाए। पर दवाइयों के मामले में उसकी समझ थोड़ी कुंद है। वह तो आंख मूंदकर अपने डॉक्टर, फार्मासिस्ट और ब्रांड पर भरोसा करता है। उसे लगता है कि रोगी में ही जान नहीं बची थी। यही ईश्वर की मर्जी थी - उसके आगे किसकी चली है। पर उसे क्या पता कि कुछ दवाइयों में ही पर्याप्त दम नहीं होता। कुछ दवाइयां तो सिरे से नकली होती हैं। वह तो बेचारा स्वयं लुटकर भी अपने और अपने परिजनों के लिए दवा खरीदता है। भारतीय दवा उद्योग, दुनिया में मात्रा के हिसाब से तीसरे और मूल्य के हिसाब से 14वें नंबर पर है। यह वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा निर्माता है और सस्ती दवाएं उपलब्ध कराकर वैश्विक स्वास्थ्य सेवा में अहम भूमिका निभाता है। कोविड काल के दौरान भारत ने एक और रिकार्ड बनाया। वह दुनिया का सबसे बड़ा टीका निर्माता बन गया। भारत में न तो ज्ञान की कमी है और न ही बुद्धि की। कौशल के क्षेत्र में भी वह किसी से पीछे नहीं है। 21वीं सदी के भारत में रुपये-पैसों की भी कोई दिक्कत नहीं है। पर जब मालिक ही मुनाफाखोरी पर उतर आए तो वैज्ञानिक क्या कर लेंगे। वैज्ञानिकों की हालत उस अकेले चने की तरह है जो भाड़ नहीं फोड़ सकता। मन मारकर वह मालिक का हुकुम बजा लाने के लिए विवश हो जाता है। 25 सितम्बर को देश फार्मासिस्ट दिवस मना रहा था। इस बीच खबर आई कि सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन ने 48 ऐसी दवाइयों की सूची जारी कर दी है जो गुणवत्ता की कसौटी पर खरा नहीं उतरतीं। अर्थात ये दवाइयां वांछित परिणाम नहीं देतीं। इनमें बुखार से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, विटामिन और कैल्शियम की आम इस्तेमाल होने वाली गोलियां शामिल हैं। इनमें एंग्जाइटी, दर्द निवारक और सांस की तकलीफ की दवाइयां भी हैं। जरा सोचिए कि आप बुखार की दवा ले रहे हैं और बुखार है कि उतर ही नहीं रहा। आप बीपी की गोली खाकर निश्चिंत हैं पर दवा ही नकली है। दवा लेने के बाद भी आप दर्द से बेहाल हैं। गोलियां तो गोलियां इंजेक्शन तक नकली हैं। दवा बनाने के क्षेत्र में अकूत पैसा है। इसी पैसे से यह उद्योग न केवल डाक्टरों, अस्पतालों को लुभाता है बल्कि सरकार की कमजोर नब्ज भी पकड़ कर रखता है। इलाज में सबसे बड़ा खर्च इसी दवा का होता है। कोरोनाकाल में बने लाखों के हॉस्पिटल बिल में बिस्तर के अलावा सारा पैसा इसी दवा उद्योग को गया था। भारत में 3,000 से ज्यादा दवा कंपनियां और 11,000 से ज्यादा विनिर्माण इकाइयां हैं। गुणवत्ता नियंत्रण के लिए भारी-भरकम अमला है। पर इच्छाशक्ति की कमी के कारण विभाग के अधिकारी भी बहती गंगा में हाथ धो रहे हैं।

संपादकीय

और खामियाजा सरकार को न भुगतना पड़े...

तिरुपति बालाजी में प्रसाद के रूप में बांटे जाने वाले लड्डू बनाने में मिलावटी घी का खुलासा होने के बाद पूरे देश में बवाल मचा हुआ है। मंदिरों के प्रसाद को लेकर जांच की मांग की जा रही है। केंद्र सरकार से देश के कुछ प्रमुख मंदिरों में प्रसाद की पवित्रता को बनाए रखने के लिए एक व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है ताकि जिन मंदिरों में लाखों लोग बड़ी श्रध्दा व आस्था से आते हैं वहां उनको पवित्र प्रसाद मिल सके।यह भी मांग की जा रही है कि जिन फैक्ट्रियों में असली घी बनाया जाता है उसकी भी कड़ाई से जांच होनी चाहिए ताकि असली घी में मुनाफे के लिए किसी अपवित्र मानी जाने वाली पदार्थ की मिलावट न की जा सके।

> इसी के साथ ही मंदिरों में भी ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए या मंदिर जिस शहर में है वहां ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि मंदिरों में उपयोग किए जाने वाले घी और अन्य सामग्री की बारीकी से जांच हो सके।देश के लोगों में इस बात को लेकर बहुत गुस्सा है कि कुछ लोगों ने थोड़े से पैसे बचाने या पैसे कमाने के लालच में मंदिर के लिए सस्ता घी खरीद कर मंदिर के प्रसाद की पवित्रता को ही खंडित कर दिया।इससे मंदिर भी अपवित्र हुआ और जिन लोगों ने उस मंदिर से उस दौरान प्रसाद लिया उन लोगों को लगेगा कि वह अपवित्र हो गए।

हिंदू समाज में प्रसाद को बहुत ही पवित्र माना जाता है। कोई प्रसाद को अपवित्र करे तो उसे बहुत ही बुरा माना जाता है। यही वजह है कि भगवान को प्रसाद के रूप में नारियल, फल आदि ऐसे पदार्थ अर्पित करने की परंपरा है जो प्राकृतिक रूप से शुध्द होते हैं जिनमें मिलावट की ही नहीं जा सकती। मंदिरों में भी प्रसाद की शुध्दता व पवित्रता का पूरा ख्याल रखा जाता रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि राजनीति से जुड़े हुए लोगों के मंदिर प्रशासन में हस्तक्षेप से ऐसी स्थिति निर्मित हुई है।लोग मंदिरों में बांटे जाने वाले प्रसाद पर शक कर रहे हैं कि यहां जो प्रसाद बांटा जा रहा है,वह शुध्द है या नहीं। इसके लिए सरकार भी दोषी है क्योंकि जनता व मंदिरों तक शुध्द सामग्री पहुंचे यह तो सरकार की जिम्मेदारी है।

सरकार का काम है कि मिलावट का पता करे और मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे ताकि जनता व मंदिरो में पूजा,हवन,ज्योत आदि में उपयोग की जाने वाली सामग्री में कोई मिलावट न कर सके।कोई भी सरकार हो उसकी मिलावट की जांच करने वाली व्यवस्था ही अच्छी नहीं मानी जाती है। एक तो वह नियमित जांच नहीं करते है, कह दिया जाता है कि स्टाफकम है। जांच की रिपोर्ट भी जल्दी नहीं आती है।सजा भी कड़ी नहीं मिलती है, इसलिए मिलावट का काम चलता रहता है। हकीकत में किसी भी तरह की मिलावट को कोई गंभीर अपराध मानता ही नहीं है।न सरकार मिलावट को मिलावट को गंभीरता से लेती है न जनता ही गंभीरता से लेती है।

दुग्ध महासंघ का दावा है कि देवभोग घी की जांच कई स्तरों पर की जाती है। अच्छा तो यह है कि दुग्ध महासंघ का दावा हमेशा सही निकले। क्योंकि सरकार को कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से अछूता तो होता नहीं है, जहां भी पैसा कमाने का किसी को मौका मिलता है तो वह चूकता नहीं है। नवरात्रि के समय किसी शक्तिपीठ को सप्लाई किए गए घी की जांच में मिलावट जैसा कुछ निकल आया जैसा का बालाजी मंदिर में निकल आया तो छत्तीसगढ़ में भी बवाल तो होना ही है। कांग्रेस के लिए यह तो बहुत बड़ा मुद्दा होगा और सरकार को कुछ कहते नहीं बनेगा क्योंकि कांग्रेस तो इसके लिए सरकार को ही दोषी ठहराएगी।कांग्रेस वैसे ही बलौदाबाजार, कर्वधा मामले को लेकर आक्रामक है। मंदिर में नकली घी सप्लाई का मुद्दा उसके हाथ आया तो कांग्रेस भाजपा के हिंदुत्व को ही सवालों के कटघरे में खड़ा कर देगी।

ऐसी घटनाएं डराती है आदमी को

सुनील दास

शहर बड़ा होता जाता है, शहर की आबादी बढ़ती है तो राज्य में हर तरह के नशे का धंधा भी बढ़ जाता है। शिक्षा के साथ बेरोजगारी भी बढ़ती है तो इन तमाम कारणों से राज्य व शहर में अपराध करने वाले बढ़ जाते हैं, अपराध बढ़ जाते है। यह सच है कि लोगों के जानो-माल की रक्षा करना सरकार व पुलिस का काम है। राज्य व शहर में अपराध न होने देना,अपराध रोकने के उपाय करना सरकार व पुलिस का दायित्व है।वह कोई उपाय नहीं कर पा रही है, वह रोक नहीं पा रही है तो इसके लिए विपक्ष के साथ ही जनता भी उसकी कड़ी आलोचना तो करेगी ही।

कुछ अपराध ऐसे होते हैं जो होते तो छोटे हैं लेकिन वह होते रहते हैं तो जनता डरती है। उसके न चाहने पर भी उसके मन में घर से बाहर जाते वक्त यह ख्याल आता है कि कहीं कोई नशेड़ी उसे रास्ते में रोक तो नहीं लेगा, गांजा, शराब पीने के लिए पैसे तो नहीं मांगेगा। पैसे नहीं देने पर मोबाइल छीन तो नहीं लेगा, मोबाइल नहीं देने पर चाकू तो नहीं मार देगा। राजधानी में बड़ी संख्या में लोग दिन में काम करने के बाद रात से लेकर देर रात तक घर लौटते हैं। जब रात को लूट की घटनाएं बढ़ जाती हैं तो वह घर लौटते हुए डरते हैं कि कहीं उनको कोई लूट न ले। जब तक घर का नौकरी करने गया सदस्य घर लौटकर नहीं आ जाता है, घर वालों को भी डर लगा रहता है कि कहीं उसके कुछ बुरा न हो जाए। शहर की सड़कों पर नशा करके घूमते युवा किसके साथ क्या करेंगे इसका कोई ठिकाना भी नहीं रहता। नशा किए हुए लोग अपराध करते हुए डरते भी नहीं है। इसलिए माना जाता है कि शहर में अपराध बढ़ने का एक कारण नशाखोरी है और नशाखोरी इसलिए बढ़ रही है कि शहर में हर तरह का नशा आसानी से लोगों को मिल जाता है। नशा करने के लिए रोज पैसा चाहिए। आदतन नशेड़ी अपराधियों को सबसे आसान काम यही लगता है कि रास्ते में जो भी मिले उसे लूट लो, सौ दो सौ रुपए तो मिल ही जाएगा, पैसा नहीं मिला तो मोबाइल तो जरूर मिल जाएगा। उसे बेचकर नशे के लिए पैसा मिल जाएगा।

जनता चाहती है कि पुलिस ऐसा कुछ करे कि कम से कम कोई किसी को लूट न सके ।पचास सौ रुपए के लिए कोई नशेड़ी किसी की हत्या तो न करे। इसके लिए जरूरी है कि पुलिस गश्त करें और रात के वक्त जितने भी नशेड़ी मिलते है,उनको पकड़कर थाने ले जाए।जेल भेज दे।यह काम इस तरह रोज किया जाना चाहिए कि नशेड़ी रात को शहर में घूमते हुए डरें।नशेडियों के पुलिस का डर नहीं है, इसलिए वह देर रात तक घूमते रहते है।नशे में देर रात तक घूमते बदमाश तो जो सामने दिख जाता है, उसे अपना शिकार बना लेते हैं। यही अंबिकापुर से रायपुर आए ईश्वर राजवाड़े के साथ हुआ। वह अपने विभाग के एसडीओ को लेकर रायपुर आया था और अपने परिचित के साथ खाना खाने के बाद सड़क पर टहल रहा था। इसी दौरान तीन युवक दोपहिया में आए और पचास रुपए मांगे, यह कहने पर नहीं है, मोबाइल छीन लिया, ईश्वर ने विरोध किया तो उसे चाकू मार दिया और तीनों भाग गए। पुलिस ने बाद में तीनों को पकड़ लिया है लेकिन बुरी तरह घायल ईश्वर की मौत हो गई।

एक सप्ताह में तेलीबांधा मरीन ड्राइव क्षेत्र में यह दूसरी हत्या है। ऐसी घटनाओं का लोगों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है,वह सोच कर घर से निकलते हुए डरते हैं कि उसके साथ भी ऐसा हो सकता है। घर से बाहर निकलने पर डर लगा रहता है कि उसके साथ कुछ बुरा न हो जाए। सरकार व पुलिस को समझने की जरूरत है कि ऐसी घटनाओं से ही पुलिस व सरकार पर से लोगों का भरोसा कम होता है। ऐसी घटना को अंजाम देने वालों को पकड़ने से लोगों का भरोसा कायम नहीं रहने वाला है। लोग तो सरकार व पुलिस पर पूरा भरोसा तब ही करेंगे जब ऐसी घटना ही न हो। ऐसी घटनाओं को न होने देना पुलिस की जिम्मेदारी है, जनता कोई बहाना नहीं सुनना चाहती है, उसे ऐसा करके दिखाना होगा। पुलिस जनता की सुरक्षा के लिए है तो जनता को सुरक्षा का एहसास भी तो होना चाहिए। वह घर से बाहर निकले तो उसे डर तो न लगे कि उसके साथ भी कुछ बुरा हो सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

फिर पुराना दौर लौट आए, यह भी नहीं लगता

श्रीनगर में चुनाव का भूत सिर चढ़ कर बोल रहा है। चारों ओर राजनीति पर चर्चा है। शहर के रहवासी अपनी शिकायतों की फेहरिस्त सुनाने की बजाए कौनसा उम्मीदवार सबसे बेहतर है, इस बारे में बातचीत करने और कयास लगाने में अधिक मशगूल हैं।

श्रुति व्यास

अफवाहों का बाजार गर्म है। हर मिनट एक नई बात, एक नई अटकल सामने आ रही है। हवा भी गर्म है। इस बार सितंबर में घाटी आश्चर्यजनक और असामान्य रूप से गर्म है। लोग नतीजों का पूर्वानुमान लगा रहे हैं। उत्सुकता है और उत्तेजना भी। लोगों में चुनावों में भागीदारी का जज्बा है। चुनावी माहौल वैसा ही है जैसा कि आजकल होता है ङ्क शोरगुल कम है और यह अनुमान लगाना मुश्किल कि किसके पक्ष में मूड़ है।

घाटी का कौना-कौना रंग-बिरंगा और खूबसूरत है। माहौल आकर्षक और लुभावना है। मिसाल के तौर पर डल झील पर 22 सितंबर की दोपहर नेशनल कान्फ्रेंस ने शिकारा रैली की। सामान्यत: डल झील और उसके आसपास बड़ी संख्या में पर्यटक जमा रहते हैं। लेकिन आज वहां चुनावी हलचल और उससे जुड़ा तामझाम नजर आ रहे थे। श्रीनगर में ऑटोरिक्शों पर झंडे और पोस्टर नहीं होते बल्कि डल झील में तैर रहे शिकारों पर लगे होते हैं।

सुबह 11 बजे, डल झील के घाट नंबर 7 पर रैली में भाग लेने वाले और उसकी

खबर देने वाले लोग जमा हो चुके हैं। लाल, सफेद और नीले रंग के शिकारों पर नेशनल कान्फ्रेंस का लाल झंडा लहरा रहा था और उन पर पार्टी के सदस्य, कार्यकर्ता, समर्थक और मीडियाकर्मी सवार होते हुए। साफ लगा आज शिकारों का सफर अलग ही होना है।

उमर अब्दुल्ला, दिल्ली में नेशनल कान्फ्रेंस के तेजतर्रार चेहरे आगा सैयाद रूहुल्ला मेहंदी, अपने बचपन के मित्र शम्मी ओबेराय, अपने दोनों पुत्रों जमीर और जहीर, ज़ादिमल से पार्टी के उम्मीदवार तनवीर सादिक और अन्य लोगों के साथ 'हैवन इन लेक' (झील में जन्नत) नाम के शिकारे पर सवार हैं। आसमानी नीले रंग के इस शिकारे में वाकई उसके नाम के अनुरूप सारी सुख-सुविधाएं मौजूद हैं। लकड़ी की दो कुर्सियां और एक मेज है, जिस पर प्लास्टिक के फूल सजे हुए। एक पिकनिक बास्केट है जिसमें डेविडऑफ कॉफी और अन्य छोटी-मोटी चीज़ें रखी हैं। ऐसा लगता है कि उमर अब्दुल्ला जहां भी जाते हैं, कॉफी उनके साथ होती है। बताया जाता है कि इस पूरे चुनावी अभियान के दौरान उनका पहला काम होता है अपने लिए एक कप स्ट्रांग काफी तैयार करना। ब्लू टोकाई उनकी पहली पसंद है। उसकी महक और स्वाद का आनंद लेकर ही वे अपना चुनाव अभियान शुरू करते हैं। हो सकता है यह उनका अंधविश्वास हो, इसे वे भाग्यशाली मानते हों या यह दिखावा हो।

बहरहाल जो भी हो, उमर अब्दुला ने अपनी शिकारा रैली की शुरूआत भी गर्म कॉफी के एक कप के साथ की। इसके बाद उन्होंने शिकारे की यात्रा का आनंद लिया। वे शिकारे के आगे की ओर आए, उन्होंने नेशनल कान्फ्रेंस का झंडा लहराया, मीडिया कर्मियों को तस्वीरे खींचने का मौका दिया, वे हंसे, उन्होंने बातचीत की और हल्की-फुल्की चर्चा की। उन्होंने यात्रा का मज़ा लिया तो मीडिया ने भी। उनके शिकारे के पीछे अन्य शिकारे थे जिन पर एनसी के झंडे लहरा रहे थे और संगीत बज रहा था। घाट 7 से चार चिनार तक शिकारे डल झील के मटमैले और गहरे पानी में गए।

आसमान में सूर्य चमक रहा था और रास्ते में कई हाउसबोट, काफी शेक और आईस्क्रीम की छोटी-छोटी दुकानें थी। मेरा शिकारा, जिसमें मीडियाकर्मी स्त्री-पुरूष थे, जैसे ही 'हैवन इन लेक' की सीध में आया, मैंने आगा सैयद रूहुल्ला मेहदी से सवाल किया कि चुनाव जीतकर सत्ता में आने पर शुरूआती 100 दिनों में एनसी की सर्वोच्च प्राथमिकता क्या होगी? जवाब था जम्मू और कश्मीर विधानसभा केन्द्र सरकार के अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करेगी। इस बीच मीडियाकर्मी उमर अब्दुल्ला को डल झील में कूदकर तैरने के लिए प्रेरित कर रहे थे जैसा उनके पिता डॉ. फारूख अब्दुल्ला ने 2001 में किया था।

पर हालात बदल गए हैं, न डल पहले जैसी साफ है और न कश्मीर अब पहले जैसा स्वच्छ है, उसकी कालजयी खूबसूरती में बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों के चलते गिरावट है। लेकिन राजनेता पहले जैसे ही हैं। तीसरी पीढ़ी के नेता उमर अब्दुल्ला परिवार की चौथी पीढ़ी के साथ चल तो रहे हैं, लेकिन उनकी सोच अतीत में अटकी हुई है। वे खोखले हो चुके अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठा रहे हैं जब कि लोग महंगाई और बेरोज़गारी से परेशान हाल हैं। यह शिकायत मुझे कश्मीर में हर जगह पुरूषों और महिलाओं से सुनने को मिली। लेकिन उमर और उनकी पार्टी अतीत की बातों में ही उलझी हुई है। जब मेरा शिकारा बाकी काफिले से अलग होकर दक्षिण दिशा में मुड़कर वापिस घाट 7 की ओर बढ़ने लगा, तब मुझे शिकारों की एक और पंक्ति नजर आई जिसमें इंजीनियर राशिद का प्रचार किया जा रहा था। उसमें तेज संगीत के साथ दूसरे नैरेटिव की चर्चा थी।

सवाल है करीब तीन दशकों तक चली हिंसा और फूहड़ राजनीति के बाद, अनुच्छेद 370 हटाने और अमन-शांति के आभास के बीच, भविष्य कैसा नजर आ रहा है? मैं जब शिकारे से उतर रही थी और डल झील सूरज की पीली रौशनी से चमक रही थी तब मेरे मन में विचार आया कि क्या अभी भविष्य बूझना संभव है? अभी नहीं। चुनावी जोश और उत्तेजना का यह दौर नए भविष्य का इस्तकबाल करे, यह भी नहीं लगता तो फिर पुराना दौर लौट आए, यह भी नहीं लगता।

(ये लेखक के विचार हैं)

डॉलर पर निर्भरता कम करने का प्रयास

मधुरेंद्र सिन्हा

अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश इसलिए नहीं है कि उसके पास बड़े-बड़े हथियार हैं, बल्कि उसकी अर्थव्यवस्था भी बहुत मजबूत है। इसका एक कारण यह भी है कि उसकी करेंसी डॉलर आज सारी दुनिया में चलती ही नहीं, बल्कि दौड़ती है। डॉलर की अंतरराष्ट्रीय बाजार में साख है और इसके बिना देश व्यापार नहीं कर सकते। इसी ताकत और चलन के कारण उसे 'यूनिवर्सल करेंसी' कहा जाता है।

हर देश अपने पास विदेशी मुद्रा भंडार के रूप में डॉलर रखना चाहता है, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव से वह महफूज रहे और, यहीं पर पेंच है। देशों की डॉलर रखने की जरूरत या मजबूरी इसे बेहद मजबूत बना देती है। हालत यह है कि थोड़े से डॉलर के लिए कई देश अपने उत्पादों को वहां के बाजारों में बहुत सस्ते दामों में बेचते रहते हैं। इससे उन्हें नुकसान ही होता है, लेकिन डॉलर रखने की मजबूरी उन्हें ऐसा करने को बाध्य करती है। कई देश तो डॉलर न होने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतर भी नहीं पाते और कई बार निहायत जरूरी सामान, जिनमें दवाएं भी हैं, खरीद नहीं पाते। हमने कोरोना के कहर के दौरान देखा है कि कई देश वैक्सीन सिर्फइसी कारण से खरीदने में असमर्थ थे। यह तो भला हो भारत का, जिसने उस मुश्किल घड़ी में मजबूर देशों का साथ दिया। उसकी पहल से ही उनके करोड़ों लोगों को वैक्सीन मिल पायी। पाकिस्तान में आज खाद्य पदार्थों की भारी कमी है और वह उन्हें खरीदने की स्थिति में नहीं है क्योंकि न केवल उसके पास डॉलर की कमी है, बल्कि उसने भारत से अपना कारोबार बंद कर रखा है। अगर वह भारत से व्यापार करता होता, तो उसे यह दुर्दिन नहीं देखना पड़ता।

भारत ने डॉलर के महत्व को शुरू से ही समझा है। एक दौर ऐसा भी रहा, जब उसने भी कभी बेहद सस्ती दरों पर अपने सामान अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचे क्योंकि उसे डॉलर चाहिए था। पर नब्बे के दशक के शुरू में प्रारंभ हुए आर्थिक उदारीकरण के बाद उसने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने की ओर बहुत ध्यान दिया और यह पाया कि डॉलर का कोई विकल्प नहीं है। इसलिए वित्त मंत्रियों ने डॉलर को पाने का प्रयास किया, जिसमें भारी सफलता मिली। आज भारत के पास चीन के बाद दूसरे स्थान का इस विदेशी मुद्रा का भंडार है। आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पास 683 अरब डॉलर हैं, जो हमारी अपनी मुद्रा रुपये को स्थिर रखने तथा बड़ी खरीदारी, जैसे

लड़ाकू विमान और अन्य हथियार वगैरह, के काम में आता है।

इससे सरकार को एक तरह का विश्वास मिलता है कि अंतरराष्ट्रीय संकट के समय या विपरीत परिस्थितियों में यह हमारा मददगार हो सकता है। वर्ष 1913 में अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का गठन हुआ और उसके अगले साल ही डॉलर चलन में आ गया। इस मुद्रा के पीछे गोल्ड रिजर्व था, यानी जितनी मुद्रा बाजार में आती, उतना ही डॉलर चलन में आता। फिर पहले विश्व युद्ध में डॉलर मजबूत हुआ, पर इसका महत्व दूसरे विश्व युद्ध में बढ़ा, जब इंग्लैंड को भारी मात्रा में अस्त्र-शस्त्र खरीदने के लिए डॉलर की जरूरत पड़ी। अमेरिका ने तब तक अपने को दुनिया के सबसे बड़े शस्त्र निर्माता के रूप में स्थापित कर लिया था और मित्र देशों को उससे वे हथियार चाहिए थे। लेकिन इसके लिए उन्हें डॉलर या सोना देना पड़ता था।

आजादी के बाद भारत के साथ भी ऐसा ही रहा। साल 1947 में जब भारत आजाद हुआ, तो एक डॉलर की कीमत 4.16 रुपये थी, जो अगले साल घटकर 3.31 रुपये पर पहुंच गयी। लेकिन साल 1950 में 4.76 रुपये प्रति डॉलर का रेट आ गया। बाद में भारतीय मुद्रा को नियंत्रित कर दिया गया और उसकी कीमत डॉलर के मुकाबले तय कर दी गयी। यह अगले 15 वर्षों तक इसी दर से ट्रेड करता रहा, पर 1967 में भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन कर दिया गया। फिर एक डॉलर का मूल्य 7.50 रुपये हो गया, लेकिन आर्थिक उदारीकरण के बाद 1993 में भारतीय मुद्रा को स्वतंत्र कर दिया गया। नतीजा यह हुआ कि एक डॉलर 30.49 रुपये का हो गया, जो धीरे-धीरे बाजार की ताकतों के हिसाब से बढ़ता गया। आज यह 83-84 रुपये पर जा पहुंचा है और इसे वहां रोके रखने के लिए रिजर्व बैंक को हस्तक्षेप करना पड़ा है। पहले भी ऐसा हो चुका है कि रिजर्व बैंक डॉलर को स्थिर रखने के लिए हस्तक्षेप करता रहा है। इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर असर पड़ता है। अब ज्यादातर देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसके लिए वे आपसी व्यापार में डॉलर के बजाय अपनी-अपनी करेंसी में व्यापार करना चाहते हैं। इसे ही डी-डॉलराइजेशन कहते हैं। साल 2024 में इसमें गति आयी है और कई देशों ने डॉलर के स्थान पर अपनी या भागीदार देश की मुद्रा में व्यापार की शुरुआत की है। इससे डॉलर पर उनकी निर्भरता कम होगी।

भारत ने यह प्रयोग पहले भी किया है। जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं, तो उन्होंने रूस के साथ रुपया-रूबल में व्यापार शुरू किया था। भारत जो भी खरीदता था, उसके लिए रुपया में भुगतान करता था और रूस रूबल में। लेकिन बाद में रूबल की दर को लेकर मामला खटाई में पड़ गया। मोदी सरकार ने इसकी फिर शुरुआत की है और दोनों देशों के बीच ऐसा ही व्यापार हो रहा है। इसका एक कारण यह भी है कि अमेरिका तथा यूरोप के देशों ने रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाया हुआ है। कोई भी देश उससे डॉलर में व्यापार नहीं कर सकता। भारत चीन से भी ऐसा ही करना चाह रहा है, लेकिन इसमें समस्या यह है कि भारत चीन से बहुत ज्यादा आयात करता है, जबकि वह काफी कम। इस कारण चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बहुत अधिक है, यह व्यापार असंतुलन का बड़ा उदाहरण है और इस वजह से बात नहीं बन पा रही है क्योंकि तब भारत की निर्भरता चीनी मुद्रा युआन पर हो जायेगी। रूस भी चाहता है कि भारत उसे रुपये के बदले युआन दे।

अब भारत इसका हल निकालने में जुटा हुआ है और वह अन्य देशों में भी रुपये को चलाने में लगा हुआ है। भारत ने ईरान से भी करार किया है कि वह रुपये को व्यापार में स्वीकार करे। कई अन्य देश जहां रुपये को स्वीकार किया जाता है, उनमें नेपाल और भूटान के अलावा सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, कतर और इंग्लैंड भी हैं। इनके अलावा भारत विभिन्न देशों, जैसे- क्यूबा और लक्जमबर्ग, से बातचीत कर रहा है। डिजिटल भुगतान प्रणाली यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) का इस्तेमाल भी इसी दिशा में एक कदम है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

केजरीवाल की अग्नि परीक्षा

अजय दीक्षित

चौदह वर्ष के वनवास के बाद रावण को मार कर और सीता को मुक्त करवा कर जब राम जी वापस अयोध्या आए तो उन्होंने कहा कि प्रजा को विश्वास दिलवाने के लिए उन्हें अपनी पवित्रता सिद्ध करने के लिए अग्नि परीक्षा देनी होगी! यद्यपि यह नारी का अपमान है, ऐसा बहुत से राम भक्त भी मानते हैं। कोरोना काल में कहते हैं कि दिल्ली की सरकार ने एक नई आबकारी नीति बनाई जिसमें शराब कारोबारियों को ज्यादा कमीशन मिला। इस ज्यादा कमीशन का कुछ हिस्सा रिश्वत के तौर पर अरविन्द केजरीवाल और उसके साथियों को मिला, ऐसा आरोप ई.डी. लगा रही है। इसी सिलसिले में पहले मनीष सिसोदिया, फिर संजय सिंह फिर अरविन्द केजरीवाल कैद हुए। लम्बे समय बाद काफी कानूनी लड़ाई लडने़ के बाद इन्हें जमानत मिली। केजरीवाल की जमानत के साथ कई शर्तें हैं। केजरीवाल जब तक वे जेल में रहे उन्होंने त्यागपत्र नहीं दिया। परन्तु बाहर निकलने के बाद अचानक उन्होंने त्यागपत्र देने की घोषणा कर दी। 17 सितम्बर को आतिशी को अंतरिम मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया गया। इसी दिन एलजी के सामने अरविन्द केजरीवाल ने त्यागपत्र दे दिया। आतिशी से मुख्यमंत्री के दावेदारों में कई नाम चर्चा में थे। परन्तु शायद आतिशी के मृद व्यवहार के कारण लगा कि वह महिला होने के नाते अफसरों से आसानी से काम करा सकेंगी। वैसे वे सबसे ज्यादा पढ़ी लिखी हैं। उन्होंने इंग्लैण्ड से एमए किया है। सन् 2013 से वे आम आदमी पार्टी से जुड़ी हैं। परन्तु अरविन्द केजरीवाल ने एक और घोषणा की है कि वे चुनाव के दौरान जनता के पास जायेंगे और कहेंगे कि यदि वे बेईमान हैं तो उन्हें वोट न दें और यदि जनता समझती है कि वे ईमानदार हैं तो वोट दें।

अब बड़ा घपला है। मान लें कि जनता अरविन्द केजरीवाल को फिर से चुन लेती है तो फिर कौन सी अदालत बड़ी है? जनता की? या कानून की? असल में दिल्ली में असली पावर एलजी के पास रहती है। तो क्या केजरीवाल एक्साइज पॉलिसी की स्वीकृति एलजी से ली थी या नहीं? फिर यदि नहीं भी ली थी तो एलजी और केन्द्रीय गृह मंत्रालय क्या कर रहा था कि दिल्ली में यह घपला चलता रहा? दिल्ली पुलिस क्या कर रही थी? भाजपा जो आज इतनी आलोचना कर रही है, वह क्यों नहीं तभी सक्रिय हुई। फिर यह बात भी लीगल एक्सपर्ट बतलाएंगे कि यह मामला ईडी और सीबीआई दोनों में कैसे चल रहा है। यदि गोवा के इलेक्शन में इतना पैसा लगा तो चुनाव आयोग क्या कर रहा था? तभी क्या गोवा की पुलिस या गोवा की इंटेलिजेंस को कुछ भी मालूम नहीं पड़ा। सबसे बड़ी बात यह है कि मनीष सिसोदिया, या संजय सिंह या अरविन्द केजरीवाल के पास से एक भी पैसा बरामद नहीं हुआ? तो फिर पैसा कहां गया? असल में यदि अग्नि परीक्षा में केजरीवाल सफल हो जाते हैं और जनता उन्हें फिर से चुनती है तो क्या होगा? यह यक्ष प्रश्न है। देखें आगे क्या होता है??

(आरएनएस)

कानून की रक्षा करने की चुनौती

सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती सिर्फ कानून की व्याख्या करने की नहीं है। बल्कि उसके सामने कानून के राज को बेमायने कर देने की एक विशेष राजनीतिक परियोजना से कानून की रक्षा करने की चुनौती है। सुप्रीम कोर्ट ने बिना अदालत की इजाजत के बुल्डोजर से देश में किसी प्रकार के निर्माण को ढाहने पर दो हफ्तों के लिए जो रोक लगाई है, वह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। वैसे सर्वोच्च न्यायालय ने रोक की इस अवधि के लिए जो दिशा-निर्देश तय किए हैं, कानून के राज में वे आम चलन का हिस्सा होते हैं। सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण कर बनाए गए अवैध निर्माणों को तोड़ना कोई नई बात नहीं है।

नई बात यह है कि बुल्डोजर के जरिए संदिग्ध अभियुक्त के मकान को गिराने का चलन फैल गया है। देखा यह गया है कि संबंधित अभियुक्त अगर मुस्लिम समुदाय का हुआ, तो ऐसी कार्रवाई तुरंत की जाती है। चलन उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ और धीरे-धीरे अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी इसे अपना लिया गया।

इस बात की उपेक्षा नहीं की जा सकती कि ऐसे कदमों के जरिए एक तरह का राजनीतिक संदेश भेजने की कोशिश की गई है। बुल्डोजर को ऐसा सियासी सिंबल बना लिया गया है कि अमेरिका स्थित हिंदुत्व समर्थक गुटों ने 15 अगस्त के समारोहों का आयोजन बुल्डोजर रख कर करते देख गए हैं।

इधर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के समर्थक उनका उल्लेख 'बुल्डोजर बाबा' कह कर करते रहे हैं। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के सामने चुनौती सिर्फ कानून की व्याख्या करने की नहीं है। बल्कि उसके सामने कानून के राज को बेमायने कर देने की एक विशेष राजनीतिक परियोजना से कानून की रक्षा करने की चुनौती है। कोर्ट के जज इस बात से नाराज थे कि उनकी विपरीत टिप्पणियों के बावजूद नेता यह रहे हैं कि बुल्डोजर तो चलते रहेंगे।

क्या कोर्ट ऐसे नेताओं की जवाबदेही तय कर सकने की स्थिति में है? क्या वह उसकी टिप्पणियों, आदेश और दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को अदालत की अवमानना का दोषी ठहरा कर ऐसी सजा देने को तत्पर है, जो दूसरों के लिए मिसाल बने? दरअसल, 'बुल्डोजर राज' पर न्यायिक हस्तक्षेप बहुत देर से हुआ है। अब तक ये बीमारी बहुत गहरे फैल चुकी है। आरंभ में ही न्यायपालिका ने इसे रोक दिया होता, तो बात यहां तक पहुंचती ही नहीं।

(आरएनएस)

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार युवक युवतियों को प्रधानमंत्री अभ्युदया योजना अंतर्गत कौशल विकास के माध्यम से विभिन्न ट्रेडों में कौशल प्रशिक्षण हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया जा रहा है। प्रशिक्षण संयोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रसायन उर्वरक मंत्रालय भारत सरकार की संस्था एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र रसमड़ा दुर्ग के माध्यम से निरूशुल्क आवासीय जिसमें निवास भोजन की निशुल्क व्यवस्था प्रशिक्षण दिया जाना है, प्रशिक्षण सफ्लतापूर्वक होने के उपरांत देश के विभिन्न निर्माण उद्योगों से रोजगार की सहायता दी जाएगी। योजनांतर्गत असिस्टेंट ऑपरेटर सीएनसी टर्निंग (टूल रूम), तकनीशियन, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड नेटवर्किंग, असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन (डोमेस्टिक कम इंडस्ट्रियल) एवं सोलर पीवी इंस्टॉलर का 3 माह की अवधि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इच्छुक आवेदक 3 अक्टूबर 2024 तक कार्यालय अंत्यावसाई व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र औद्योगिक क्षेत्र धमधा नाका दुर्ग में कार्यालय समय में संपर्क कर आवेदन जमा कर सकते हैं।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर 2 से 8 अक्टूबर तक मद्य निषेध सप्ताह का होगा आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार जिले में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर मद्यपान एवं अन्य मादक द्रव्यों पदार्थों तथा नशीली दवाओं के दुरूपयोग की रोकथाम हेतु समुदाय में व्यापक जनमत विकसित करने के लिए 02 अक्टूबर 2024 से 08 अक्टूबर 2024 तक मद्य निषेध सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत स्तर पर गठित भारत माता वाहिनी के सहयोग से विभिन्न कार्यकमों का एवं नशामुक्ति कार्यर्क्रम अन्तर्गत जन जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। जिसमें नशामुक्ति के पक्ष में व्यापक जनमत विकसित करने हेतु रैली, नुक्कड़ सभाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मानव श्रृंखला, नशापान नहीं करने का संकल्प एवं शपथ, होर्डिंग्स, ब्राण्डिंग्स, सनबोर्ड की स्थापना, शैक्षणिक संस्थाओं में व्याख्यान, विद्यार्थियों के मध्य चित्रकला, साहित्य का वितरण, प्रचार रथ, एलईडी टीवी के माध्यम से नशापन के दुष्परिणामों का प्रदर्शन एवं प्रसारण, इलेक्टॉञनिक, प्रिन्ट एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार आदि कार्य किया जाना है। नशामुक्ति सम्बधित कार्यक्रमों को एनएमबीए एप एवं पोर्टल में अपलोड किया जाएगा।

नारी शक्ति ने चलाया स्वच्छता अभियान लगाएंगे एक पेड़ मां के नाम

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के मार्गदर्शन में आज नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम अंतर्गत प्रदेश व्यापी स्वच्छता अभियान में दुर्ग नगर पालिक निगम क्षेत्रांतर्गत आर्य नगर राजीव बाल उद्यान समिति की महिलाओं ने शुरू किया चरण बद्ध स्वच्छता अभियान। जिसके अंतर्गत नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर एवम आर्य नगर राजीव बाल उद्यान विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती नविता शर्मा के नेतृत्व में गार्डन में स्थान स्थान पर झाड़ू बुहारी कर ,प्लास्टिक पन्नी , डिस्पोजल आदि उठाकर डस्ट बिन में डाले तथा लोगों को संदेश दिया कि कचरा इधर उधर न फेंके उचित निपटान के लिए डस्ट बिन में डालें । कुछ ही देर पहले अच्छी बारिश हुई, अनेक स्थानों में नाली में कचरा जाम हो गया, जिसे कुछ खुद साफकिए साथ ही सफई मित्रों की मदद ली।

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी में नेचर इंस्पायर्ड सस्टेनेबीलीटी सेंटर की स्थापना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी भिलाई में 25 सितम्बर को प्रकृति के विकास और सिद्धांतों पर आधारित एक कार्यशाला नेचर इंस्पायर्ड सस्टेनेबीलीटी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

वर्तमान में पुरे देश तथा विश्व भर में हो रहे वातावरण परिवर्तन को समझने और इसके हल की प्रयास के उद्देश्य से इस नए क्षेत्र में कार्य को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक डॉ. एन. पी. देवांगन द्वारा इस क्षेत्र के प्रसिद्ध विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया ताकि विश्विद्यालय के छात्रों तथा जनसामान्य को इसके प्रति जागरूक करने का श्रीगणेश हो सके। जिसमें भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के सस्टेनेबीलीटी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मोंटो मणि तथा भारतीय प्रबंध संस्थान नवा रायपुर के प्रोफेसर डॉ. राहुल हिरेमठ द्वारा प्रकृति के मूलभूत क्रियाकलाप तथा सिद्धन्तों को गहराई तथा विस्तार से उदाहरण देते हुए व्याख्यान दिया गया। इस सेमिनार का मुख्य उद्देश्य सस्टेनेबीलीटी को प्रकृति के नियम तथा क्रियाकलाप से जोड़ना तथा व्यव्हार और विकास में लाने हेतु छात्रों को सजग करना थास भारतीय विज्ञान संस्थान के डॉ. मोंटो मणि द्वारा वाइट पेपर प्रकाशित किया गया है जो ट्रॉसफर्मिंग द बुल्ट एनवायरमेंट के नाम से विख्यात है। डॉ. मोंटो ने अपने व्याख्यान में बताया की चौतरफा शहरी और औद्योगिक विकास और जनसंख्या तथा घनत्व के कारण कार्बन उत्सर्जन से वातावरण को हानि पहुँच रही है यद्यपि हम कैसे निर्मित बसाहटों में इसके वर्त्तमान वास्तविक स्वरुप को लेते हुए प्रकृति के मूलभूत सिद्धांतों पर आधारित ज्ञान से विशुद्ध परिवर्तन कर एक स्वक्ष वातावरण का निर्माण कर सकते है। भारतीय प्रबंध संस्थान नवा रायपुर के प्रोफेसर राहुल हिरेमठ ने कहा कि हम प्रकृति का निरीक्षण कर सस्टेनेबिलिटी सिख सकते हैं हमें किसी भारी ग्रन्थ अथवा क्लासरूम की जरुरत नहीं है, पेड़ पौषों जन्तुओ के छोटे-छोटे क्रियाकलों के निरिक्षण तथा ज्ञान से ऊर्जा संरक्षण के सिद्धांतों तथा सस्टेनेबिलिटी तरीकों का व्यावहारिक ज्ञान मिलता हैस डॉ. राहुल ने यह भी बताया की जिस प्रकार कमल फूल अपने विकास के दौरान ऊर्जा संरक्षण हेतु कुछ विशेष गुण विकसित करता है जिससे की उसके ऊपर जल और धूल के कण नहीं रुकते और निर्मल और सुन्दरता बनी रहती है इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास ने श्रीराम को नवकंज लोचन कंज मुखकर कंज पद कन्जारुणम की संज्ञा दिया हैस डॉ. राहुल ने बताया की फ्लों की बाहरी आवरण चिकना होता है ताकि उस पर किट पतंगों का घर न बने और न अंडे दे सके अर्थात फ्लों में अपने आप को परिस्कृत कर वातावरण से सुरक्षित करने और विकास करने का गुण समाहित होता है। प्रकृति के जीव जंतुओं तथा फूलों, पेड़ और वनस्पतियों में मौजूद उपरोक्त गुण तथा ऊर्जा एवं संसाधन संधारण क्षमता के आधार पर एक नेचर इंस्पायर्ड सस्टेनेबीलीटी केंद्र की कल्पना कर पर्यावरण एवं जल संसाधन अभियांत्रिकी विभाग में डॉ एन पी देवांगन ने डॉक्टर मोंटो मणि तथा राहुल के करकमलों द्वारा एक केंद्र का श्री गणेश किया गया स केंद्र का आरम्भ सभी प्राध्यापको व छात्रों द्वारा वृक्षा रोपण के माध्यम से किया गया, भारतीय विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर मोंटो ने सराहा और इसे एक अच्छी पहल कहकर इसके सफ्लता हेतु हर्षित शुभकामनाये दिया।

निगम भिलाई क्षेत्र में ओबीसी सर्वे का काम संपन्न हुआ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शासन के आदेशानुसार ओबीसी सर्वे का कार्य बीएलओ एवं उनके सहायको द्वारा किया जा रहा था। सर्वेक्षण किये गये घरो की संख्या 127024 है, जिसमे ओबीसी घरो की संख्या 38244 है। नगर निगम भिलाई क्षेत्र में घर.घर ओबीसी सर्वे के दौरान निर्धारित लक्ष्य से अधिक सर्वे किया गया।

शासन के द्वारा ओबीसी सर्वे का जो लक्ष्य नगर निगम भिलाई को दिया गया थाए उसी के अंतर्गत आयुक्त ने आदेश जारी कर ओबीसी सर्वे कार्य के लिए डिप्टी कमिश्नर नरेन्द्र कुमार बंजारे को नोडल अधिकारी एवं जोन के राजस्व अधिकारी धीरज साहू को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया। जिसके मार्गदर्शन में पुरे 70 वार्डो के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त हुए। ओबीसी सर्वे कार्य के लिए 409 बीएलओ, 70 निगम के वार्ड प्रभारी, 70 सर्वेक्षण प्रभारी एवं 70 सहायक सर्वेक्षण प्रभारी की डयूटी लगाई गई है। जो बीएलओ के साथ संलग्न होकर घर.घर जाकर ओबीसी सर्वे का कार्य संपादित किये है। प्राप्त आंकड़ो के अनुसार नगर निगम भिलाई क्षेत्र में कुल 127024 घरों का सर्वेक्षण किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत साफ सफाई किया गया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा से जुड़कर श्रमदान के माध्यम से उद्यानों की साफसफाई कराया गया। शासन द्वारा उद्यानो, बाग, गार्डन, तालाब, जहां भी लोग टहलने जाते हैं, उन जगहों को सफ़ई के उददेश्य से ही इसे थीम में शामिल किया गया है। नगर निगम भिलाई के सभी जोन कार्यालय क्षेत्र के उद्यानों में साफसफाई वार्ड पार्षद, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता सुबह सुबह उद्यान में टहलने वाले नागरिकों बच्चो महिलाओं को भी सफाई अभियान से जोड़ा गया।

उत्कृष्ट कार्य हेतु चिकित्सालयों को प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले में आयुष्मान पखवाड़ा के दौरान आज जिला स्तरीय कार्यक्रम में आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को उपचार सुविधा प्रदान करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु चिकित्सालयों को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया है। जिनमें शासकीय चिकित्सालय अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुरमुंदा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बापूनगर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहिवारा, एवं निजी चिकित्सालय अंतर्गत श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस जुनवानी भिलाई, यशोदा नंदन चिल्ड्रन हॉस्पिटल दुर्ग, एपेक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कुम्हारी शामिल है।

गदा चौक से शराब दुकान हटने पर लोगों ने विधायक रिकेश का किया अभूतपूर्व स्वागत, लड्डुओं से तौला, कहा -

जो शराब दुकान के पक्षधर थे जल्द उनके नाम सार्वजनिक करूंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीच बाजार में कई वर्षों से स्थापित शराब भट्टी हटाने पर खुशी से आतुर जनता के द्वारा आज अपने लाडले विधायक रिकेश सेन को 72 किलो लड्डुओं से तौला गया। इस दौरान विधायक के द्वारा उपस्थितजनों से स्पष्ट तौर पर कहा कि आज से स्वयं को संकल्पित करें कि कभी भी ऐसे रहवासी क्षेत्र, मार्केट क्षेत्र जो मुख्य मार्ग हों जहां से प्रतिदिन स्कूली बच्चे आवागमन करते हों अथवा बुजुर्ग महिलाएं गुजरती हों, वहां कभी भी शराब भट्टी को स्थापित न होने देना।

उन्होंने भरे मंच से कहा कि मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं कि कई ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जो कभी भी इस शराब भट्टी को हटाने नहीं देना चाहते थे, शीघ्र ही ऐसे जनप्रतिनिधियों के नाम भी उजागर किए जाएंगे। यदि दोबारा शराब भट्टी लग गई तो पूरा क्षेत्र परेशान एवं हलाकान होगा। यहां से शराब दुकान हटाने तीन-तीन साल से व्यापारियों ने आंदोलन किया, हजारों लोगों ने हस्ताक्षर किए मगर शराब दुकान टस से मस नहीं कर सके, क्योंकि कुछ जनप्रतिनिधि नहीं चाहते कि दुकान यहां से हटे।

आपको बता दें कि सुपेला के बीच मार्केट में स्थापित अंग्रेजी शराब दुकान गदा चौक से हटने पर आज अपने विधायक रिकेश सेन को आसपास के रहवासियों ने हाथों हाथ लिया और जमकर स्वागत किया। उन्हें मोहल्लेवासियों ने लड्डुओं से तौला और स्वागत में जमकर आतिशबाजी भी की।

विधायक रिकेश सेन ने मंच से कहा कि इस चौक पर बजरंगबली का शास्त्र गदा है तो जय श्री राम तो बनता ही है। शाम ढलते ही एवं रात्रि के समय इस मार्ग पर न महिला, न बच्चे न बड़े बुजुर्ग गुजर सकते थे।

यहां का वातावरण इस समय राक्षसों का रहता था। उन्होंने कहा कि शराब भट्टी को हटाने में जागरूक रहने वाले को मैं बताना चाहता हूं कि मैं अपने माता-पिता सहित सात पीढ़ियों के मोक्ष हेतु गया बिहार से पूजा अर्चना कर लौटा हूं। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि बाजार, रिहायशी क्षेत्र के लोग कितना भी अधिक किराये का लालच क्यों न दे शराब के लिए अपनी जगह मत देना क्योंकि यह आपके क्षेत्र के लिए सार्वजनिक जगह के लिए नासूर साबित होगी।

निगम दे रही है स्व विवरणी भरने का मौका, टैक्स चोरी पकड़ी गई तो पेनाल्टी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली निगम नागरिकों को पेनाल्टी से बचाने एक और मौका दे रही है। स्व विवरणी भर वे अपनी संपत्ती का वास्तविक टैक्स निर्धारण करा सकते है। सर्वे के दौरान अगर टैक्स चोरी का मामला सामने आता है, तो निगम का राजस्व विभाग पेनाल्टी के साथ करदाता से टैक्स वसूली करेगा।

नगर पालिक निगम की आयुक्त मोनिका वर्मा ने राजस्व विभाग को रिसाली क्षेत्र के टाउनशिप को छोड़कर शेष वार्डो में सर्वे करने निर्देश दिए है।

इसके लिए अलग-अलग कर्मचारियों को वार्डो की जिम्मेदारी दी है। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि सर्वे में कर्मचारी यह देखेंगे कि नागरिक टैक्स की चोरी तो नही कर रहा है। करदाता का जो टैक्स निर्धारण हुआ है, वह सही है कि नहीं। सर्वे करने वाले अधिकारी जांच में पाते है कि आवासीय मकान या व्यापारिक प्रतिष्ठान का क्षेत्रफ्ल अधिक है और वह टैक्स के रूप में कम राशि जमा कर रहा है, तो पेनाल्टी के साथ अधिकारी-कर्मचारी टैक्स वसूली करेंगे।। इस दौरान केवल उन नागरिकों को राहत मिलेगी जो कार्यालय पहुंचकर स्व विवरणी भरा हो।

बकायादारों की बन रही सूची: आयुक्त मोनिका वर्मा ने राजस्व विभाग को ऐसे करदाताओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए है, जो लंबे समय से निगम को टैक्स नहीं दे रहे है। आयुक्त ने टैक्स जमा करने वाले इच्छुक बकायादारों को किस्त में टैक्स जमा करने की सुविधा दी है। करदाता 2 या 3 किस्त में राशि जमा कर सकते है।

स्लम क्षेत्र को फायदा: शहर सरकार ने स्लम क्षेत्र में रहने वालों को सुविधा दी है। पिछले बजट सामान्य सभा में निगम सरकार वर्ष 1999-2000 की जगह वर्ष 2015-16 से टैक्स वसूली का निर्णय ली है। एक साथ टैक्स जमा करने पर छुट का प्रावधान है। आयुक्त ने स्लम क्षेत्र में भी सर्वे के निर्देश दिए है।

बड़े बकायादारों का कटेगा नल: राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में आयुक्त मोनिका वर्मा ने निर्देश दिए है कि बड़े बकायादारों को टैक्स जमा के लिए नोटिस जारी करे। नोटिस का असर नहीं होने पर नल कनेक्शन विच्छेद की कार्रवाई करे। इसके बाद भी राशि जमा नहीं करने वाले करदाताओं के खिलाफ कुर्की प्रकरण तैयार कर सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करे।

सर्वे के दौरान यह देखेंगे

- करदाता अधिक क्षेत्रफ्ल में मकान बनाकर कम क्षेत्रफल का टैक्स जमा तो नहीं कर रहा है।
- दो या तीन मंजिला मकान का कर निर्धारण हुआ है कि नहीं।
- मकान का व्यवसायिक उपयोग जैसे किराया या दुकान पर तो नहीं है।

दुर्ग में विद्युत उपभोक्ताओं पर जागरूकता कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में होटल कैमबीन में भिन्न-भिन्न विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत बचत व अक्षय ऊर्जा के संबंध में जागरुकता कार्यशाला का आयोजन सिटीजन कंज्यूमर एंड सिविक एक्शन ग्रुप (सीएजी) व अनमोल फ्उंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। जिसमें जिले के 35 किसान, छात्र, व्यापारी, मीडिया प्रतिनिधि, प्रोफेसर, घरेलू उपभोक्ता शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी व डिप्टी कलेक्टर उत्तम कुमार शामिल हुए और कार्यक्रम की सराहना करने हुए विद्युत बचत के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया ।

कार्यक्रम की शुभारंभ करते हुए अनमोल फ्उंडेशन के निदेशक संजय शर्मा ने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम की जरूरत इसलिए हुए की हम अपने खनिज संसाधनों को कैसे बचाए, विद्युत कैसे बचा सकते है इसके बारे में एक्सपर्ट से जानना, अक्षय ऊर्जा के संबंध में शासन के योजना के बारे में विभाग के अधिकारियों से जानकारी उपलब्ध कराना। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएजी के भारत राम ने बताया कि सीएजी देश के 5 राज्यों में विभिन्न सहयोगी एनजीओ के साथ विद्युत कंज्यूमर के संबंध में कार्य कर रहे है। तमिलनाडु में 7 जिलों में उपभोक्ता सेल बना कर विद्युत संबंधित समस्याओं के समाधान की दिशा में काम कर रहे है। छत्तीसगढ़ में अनमोल फ्उंडेशन के साथ काम कर रहे है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्रेडा जिले के प्रभारी सहायक यंत्री श्री रविन्द्र देवांगन ने सौर ऊर्जा, गोबर गैस, सूर्य घर योजना, सोलर की आफ्ग्रिड व आन ग्रिड पावर प्लांट, सोलर टैंक, सोलर पंप, कुसुम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सोलर स्टालेशन एक्सपर्ट दिनेश ने सोलर के स्टालेशन की प्रक्रियाओं व उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया तथा प्रतिभागियों के सवालों का जबाब भी दिया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भिलाई स्टील प्लांट के पूर्व जीएम वेंकट सुब्रमण्यम ने उद्योगों में किस तरह विद्युत खपत को करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं उनकी जानकारी विस्तार से दी गई। उन्होंने क्लाइमेट चेंज व पर्यावरणीय महत्व के बारे बताते हुए कहा कि बड़े उद्योगों में विद्युत खपत ज्यादा होता है वहां विद्युत की अल्टरनेट व्यवस्था करना असंभव लग रहा था लेकिन अब बड़े उद्योग भी इस दिशा में प्रयास कर असंभव को संभव बनाने में लगे है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर दानेश जोशी विभागाध्यक्ष जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन विभाग श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल विश्व विद्यालय भिलाई ने विद्युत ऊर्जा व अक्षय ऊर्जा के संबंध में व्यापक जागरुकता में मीडिया एक बड़ी भूमिका हो सकती है। सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए उसके माध्यम से कैसे हम संदेशों को व्यापकता दे सकते है उसकी जानकारी साझा करते हुए इंस्टाग्राम के उपयोग करने पर बल दिया। इसके लिए मीडिया संवेदीकरण कर उन्हें इस मुद्दे पर कवरेज करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रकृति की ओर सोसायटी के अध्यक्ष मोहन वर्ल्यानी ने विद्युत बचत हेतु 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण का उपयोग करने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि इससे काफी विद्युत की बचत की जा सकती है। अंत में गायत्री ने कार्यक्रम में आए अतिथियों व प्रतिभागियों का धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया।

खास खबर...

नदी में गंदे पानी को जाने से रोकने के लिए लगाए जाएंगे एचटीपी सिस्टम

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि योजना का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन किया जाए। कलेक्टर ने कार्यों में प्रगति धीमी होने पर नाराजगी जताई और उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रगति की रिपोर्ट प्रत्येक सप्ताह देने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने जियो टैगिग के कार्यों में भी प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने खारून नदी में जाने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए एचटीपी सिस्टम लगाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि जलसंरक्षण की दिशा में बेहतर कार्य किए जाएं और नदी के किनारे वृक्षारोपण भी किया जाए। इससे हरियाली बढ़ेगी और वातावरण भी शुद्ध होगा। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

डांस करो और इनाम में पाओ आठ लाख से अधिक का पुरस्कार

रायपुर। एन.माही फिल्मस प्रोडक्शन के बैनर तले बनी छत्तीसगढ़ी फिल्म चंदा मामा 4 अक्टूबर को प्रदेश के सभी सिनेमाघरों में

रिलीज होगी। इससे पहले निर्माता मोहित कुमार साहू 1 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में निःशुल्क सामूहिक डांस प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहे है जिसमें प्रतिभागी भाग लेकर आठ लाख पैंतीस हजार छह सौ रूपए तक के इनाम जीत सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी 27 सितंबर तक व्हाट्सएपं नंबर 7470459937 पर वीडियो क्लीपिंग भेज सकते है। उक्त जानकारी फिल्म के डायरेक्टर अभिषेक सिंह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहीं।

उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को चंदामामा के ही गानों पर डांस करना होगा इसके लिए चाहे तो वे गानों को रिमिक्स भी कर सकते है। प्रतिभागियों को इनाम के तौर पर प्रथम पुरस्कार 2,51,000, द्वितीय 2,01,000, तृतीय 1,51,000, चतुर्थ 1,00,000, पांचवी 51,000 के साथ भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार के रुप में 5100 दिया जाएगा।

राज्य में एथनिक व इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं : अन्बलगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में एथनिक और इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यहां पर्यटन विभाग के सचिव अन्बलगन पी. की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बैठक में सूचना नेटवर्क को मजबूत बनाने और इंटरनेशनल टूरिस्ट इवेंट्स में स्टेक होल्डर्स की भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाने पर भी चर्चा की गई।

सचिव अन्बलगन पी. ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि आप सब ने राज्य में टूरिज्म प्रमोशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। एथनिक और इको टूरिज्म से जुड़े लोगों का एक ही मंच पर आना पर्यटन के विकास के लिए शुभ संकेत है। उन्होंने कहा कि 2020 की पर्यटन नीति को रिवाइज और रिव्यू किया जाएगा, ताकि इसे नया स्वरूप दिया जा सके। होम स्टे गाइडलाइंस को एक फ्रेमवर्क के अंतर्गत लाने

का प्रयास भी किया जा रहा है। श्री अन्बलगन ने कहा कि टूरिज्म बहुत संवेदनशील इंडस्ट्री है। मास टूरिज्म की बजाय हमें वैल्यू टूरिज्म की ओर ध्यान देना चाहिए, ताकि पर्यटन को एक स्तरीय प्लेटफार्म मिल सके।

टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड का मुख्य उद्देश्य पर्यटकों और स्टेक होल्डर को पर्यटन सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि एक इंटरेक्टिव पोर्टल की आवश्यकता है, जिसमें सभी स्टेक होल्डर्स की जानकारी शामिल हो। नए मोबाइल एप्लिकेशन की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। श्री आचार्य ने कहा कि फिल्म पॉलिसी को बढ़ावा देने और पॉलिसी से संबंधित सभी जानकारी देने के लिए एक बुकलेट तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोकल इकोनॉमी को प्रमोट करने के लिए स्थानीय पर्यटन का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

बैठक में छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य जसप्रीत सिंह भाटिया, छत्तीसगढ़ होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष तरनजीत सिंह होरा, बस्तर के मानसिंग बघेल, रजनीश, जीत आर्या एवं सनी उपाध्याय ने छत्तीसगढ़ में टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बहुमूल्य सुझाव देने के साथ ही इससे जुड़े व्यवहारिक दिक्कतों की ओर ध्यान आकर्षित किया और कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को शासन की ओर से रियायतें दी जानी चाहिए। बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य के होटल एसोसिएशन के सदस्य, छत्तीसगढ़ ट्रैवल एंड ट्रेड एसोसिएशन के सदस्य, होम स्टे ओनर और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी उपस्थित थे।

माओवाद से अवरूद्ध जनजातीय विकास पर हुई चर्चा

नागालैण्ड, मणिपुर, झारखण्ड, गुजरात, अरूणांचल, अण्डमान व नेपाल के कार्यकर्ता हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम का राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन हरियाणा राज्य के समालखा में सम्पन्न हुआ। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वंय संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत पूरे दो दिन मौजूद रहें और शामिल कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया। डॉ. भागवत ने सभी कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर जनजातीय समुदाय के बीच जन कल्याण के काम करने का आह्वान किया। उन्होंने लगभग 80 जनजातीय समुदायों के परम्परागत पूजा-पद्धतियों के पण्डालों में देश की विभिन्न जनजातियों द्वारा अपने रीति-रिवाज और पूजा-पाठ के तरीकों के भी दर्शन किये। डॉ. भागवत ने इस अवसर पर कहा कि यह भारत की एक आत्मा का दर्शन करने जैसा है। विविधता के साथ एकत्व की यहीं अनुभूति हिन्दु धर्म संस्कृति को सभी के साथ जोड़ती है। डॉ. भागवत ने कहा कि आज के दौर में देश सांस्कृतिक संकट से गुजर रहा है और ऐसे आयोजन भारत की सांस्कृतिक पहचान और एकता को मजबूत बनाये रखने के लिए जरूरी हो गये है।

सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की ओर से शामिल हुए प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ ने बस्तर में माओवाद के कारण जनजातीय समुदाय की परेशानियों और अवरूद्ध हुए विकास को मुख्य धारा में लाने के बारे में भी ध्यान आकर्षित कराया। उन्होंने बताया कि माओवाद की समस्या से बस्तर के जनजातीय लोगों को सरकारी सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। मौलिक अधिकारों के हनन के साथ-साथ सरकारी विद्यालयों ओर आंगनबाड़ियों को तोड़ने से पढ़ाई-लिखाई की समस्या खड़ी हो रही है। अस्पतालों के भवनों को गिरा देने से ईलाज आदि में भी परेशानी होती है। श्री रामनाथ में इन सबके बावजूद राज्य और केन्द्र सरकार के साथ मिलकर बस्तर के माओवाद प्रभावित गांवों में शासकीय योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए कल्याण आश्रम के कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहें प्रयासों की जानकारी भी दी। वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा चलाये जा रहें विद्यालयों और आश्रमों में स्थानीय बच्चों के साथ-साथ अन्य राज्यों के जनजातीय बच्चों की पढ़ाई कराये जाने और उन्हें स्वालम्बी बनाने के लिए दिए जा रहें प्रशिक्षणों की जानकारी भी श्री रामनाथ ने सम्मेलन में दी।

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय कार्यकर्ता सम्मेलन में वनवासी कल्याण आश्रम की स्थापना से लेकर सात दशकों की यात्राओं का भव्य प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शन भी किया गया। इस प्रदर्शनी का शुभारंभ आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह और हरियाणा के प्रांत अध्यक्ष राम बाबू ने किया। इस सम्मेलन में रेखा नागर और डॉ. मदन सिंह बास्केल द्वारा लिखित 'रानी दुर्गावती', डॉ. राजकिशोर हांसदा द्वारा लिखित संथाल जनजातीय की सृष्टि कथा, रामलाल सोनी द्वारा लिखित अपनों के अपने जगदेव राम और विवेकानंद द्वारा अंग्रेजी में लिखित ग्लोबल जेनोसाइड ऑफइंडिजीनस पीपल्स नामक पुस्तकों सहित 13 पुस्तकों का विमोचन किया गया।सम्मेलन में मणीपुर, नागालैण्ड, अरूणांचल, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में निवासरत जनजातीय समुदायों की समस्यों, शिक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रचार-प्रसार, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न राज्यों से आए कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों में कल्याण आश्रम के प्रकल्पों, उनकी गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी भी दी।

सम्मेलन में आरएसएस के सह कार्यवाह रामदत्त, राष्ट्रीय जनजातीय आयोग के अध्यक्ष अतर सिंह आर्य, कलन आश्रम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एच.के.नागू एवं तेजी गुविन महामंत्री योगेश बापट, संगठन मंत्री अतुल जोग, मध्यप्रदेश राज्य के जनजातीय सलाहकर समिति के सदस्य उर्मिला भारती छत्तीसगढ़ के प्रांत संगठन मंत्री रामनाथ, जशपुर के पद्म जगेश्वर भगत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

कलेक्टर ने ए-आई तकनीक से कराई टीबी के पहचान की जांच

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने टीबी मरीजों को फूड बास्केट का किया वितरण

जिले के विभिन्न स्थानों में वैन कैंप कर करेगी जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ए-आई तकनीक से टीबी के पहचान के लिए जांच कराई। तत्काल एआई तकनीक से कम्प्यूटर पर रिपोर्ट भी आ गई और उस जांच में कलेक्टर सामान्य पाए गए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की पहल पर वैन की शुरूआत की गई है, जो विभिन्न स्थानों में पहुंचकर वैन ए-आई तकनीक के माध्यम से टीबी की पहचान के लिए जांच करेगी। साथ ही रिपोर्ट भी तत्काल मिल जाएंगे। अगर किसी प्रकार का लक्षण पाया जाएगा तो शीघ्र ही उपचार भी शुरू कराई जा सकेगी। रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज से वैन की शुरूआत की है। वैन विभिन्न स्थानों पर कैंप लगाकर जांच करेगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत कलेक्टर सभाकक्ष में टीबी मरीजों को निक्षय मित्र योजना के तहत उपचार अवधि में नि:शुल्क पोषण आहार का वितरण किया। छह माह तक उन्हें पोषण आहार टीबी की दवा चलते तक मिलते रहें और रायपुर जिले को टीबी मुक्त किया जा सके। इसके लिए एनजीओ के द्वारा निक्षय मित्र बनकर टीबी के 200 मरीजों को उपचार अवधि के दौरान पोषण आहार का नि:शुल्क वितरण किया गया। एनजीओ के प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर श्री आदित्य शर्मा ने कुल 1400 मरीजों को गोद लेने के लिए प्रतिबद्धता जाहिर की। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. मिथिलेश चौधरी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

अभियान के तहत यह मिलेगा लाभ

स्वास्थ्य सेवाओं की त्वरित पहुंचः झुग्गी-झोपड़ी के निवासी बिना किसी देरी के अपनी स्वास्थ्य स्थिति जान सकते हैं। समुदाय में जागरूकता: वीडियो के माध्यम से लोगों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ती है, जिससे वे समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए प्रेरित होते हैं।

विधायक ने दिलाई स्वच्छता की शपथ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के तहत चलाए जा रहे पखवाड़े में बुधवार को जिले के माना बस्ती में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में स्वच्छता पर आधारित आयोजित कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू, पंचायत एवं ग्रामीण विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने नागरिकों और विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। साथ ही उन्होंने सामूहिक रूप से श्रमदान किया और एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर कबाड़ से जुगाड के तहत बच्चों द्वारा बनाई गई मॉडल की प्रदर्शिनी लगाई।

इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश को स्वच्छ बनाने का सपना देखा था। इसे पूर्ण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता का अभियान चलाया। उन्होंने आम जनता से अपने आस-पास सफाई रखने की अपील की, जिसका असर अब दिख रहा है। आमजनता भी स्वच्छता को लेकर जागरूक हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर शौचालय बनवाया इसके लिए सहायता राशि भी दी गई। इससे महिलाओं का मान बढ़ा। श्री साहू ने कहा कि इस मुहिम में सभी वर्ग के लोग अपना योगदान देते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने भागीदारी निभाएं।

प्रमुख सचिव निहारिका बारिक ने कहा कि हमारी परंपरा में स्वच्छता रची-बसी हैं। जब हम बाहर से घर में प्रवेश करते है तो पैर धुलावाएं जाते हैं और हमारे रसोई घर में स्नान कर स्वच्छ कपड़े पहन कर प्रवेश कर भोजन बनाने की परंपरा है। यह वास्तव में हमें और अपने परिवार को स्वच्छ रखने के लिए किया जाता है। इस बार के अभियान का थीम स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता है। हमें अपने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण स्वच्छता को अपनाना चाहिए। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरूआत की जो 02 अक्टूबर तक चलेगी। हमे इस अभियान को घर-घर पहुंचाना है। आम नागरिक इस अभियान का हिस्सा बनें और दुसरों को भी प्रेरित करें। डॉ सिंह ने कहा कि हम एक पेड़ मां के नाम लगाएं और उसका संरक्षण भी करें।

स्वामी निश्चलानांद सरस्वती महाराज ने तिरुपति प्रसादम विवाद पर कही बड़ी बात

रायपुर। तिरुपति माला मंदिर में प्रसादम् विवाद पर शंकराचार्य पुरी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी निश्चलानांद सरस्वती महाराज ने सरकार पर धार्मिक क्षेत्रों को छल-बल से हथियाने का आरोप लगाया और धर्मांतरण और गौहत्या बंद कराने की अपील की और हिंदू राष्ट्र को लेकर पुरी शंकराचार्य ने एक बार फिर आवाज बुलंद की। तिरुपति माला मंदिर के प्रसाद विवाद पर बात करते हुए शंकराचार्य पुरी पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी निश्चलानांद सरस्वती महाराज ने कहा कि, धार्मिक और अद्यात्मिक क्षेत्र में छल,बल से शासन ने अपने हाथ में ले लिया, इसके कारण इसकी दिशाहीनता हो गई। सत्ता लोलुपता और अदूरदर्शिताकी चपेट में आने के कारण राजनीति और राजनेता दिशाहीन है, उसी का फ्ल है। सोधन की प्रक्रिया पंडितों ने अपने तरीके से निभाई है। शास्त्रीय विधाता के अनुसार अपवित्र वस्तु का प्रयोग न भी हो तो भी अयोग्य लोगों का प्रवेश तो हो ही रहा है। पर्यटन का क्षेत्र बना दिया गया है.

जीवन में लोकप्रिय नामक गुण होगा तो धर्म की अवश्य प्राप्ति होगी : मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। संभवनाथ जैन मंदिर विवेकानंद नगर में आत्मोल्लास चातुर्मास 2024 की प्रवचनमाला जारी है। मंगलवार को तपस्वी मुनिश्री प्रियदर्शी विजयजी म.सा. साहब ने कहा कि जीवन में लोकप्रिय नामक गुण होगा तो धर्म की अवश्य प्राप्ति होगी। लोकप्रियता गुण प्राप्त करने की पांच बातें प्रमुख हैं। इनमें इस लोक संबंधी-परलोक संबंधी विपरीत प्रवृत्तियों का त्याग एवं दान,शील और विनय तीन गुण का स्वीकार्य, इस तरह से व्यक्ति समाज के अंदर,संघ के अंदर लोकप्रिय बनता है और लोकप्रिय व्यक्ति को कभी भी धर्म के अंदर अड़चन नहीं आती है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन के अंदर निंदा का त्याग अवश्य करना चाहिए।

शास्त्रकार भगवंत ने इस लोक संबंधी खराब प्रवृत्तियों में निंदा को प्रमुख बताया है,बाकी सारे अवगुण हैं तो कह सकते हैं निंदा उसका मूल है। निंदा यदि जीवन में हो तो बाकी अवगुण आने में देर नहीं लगती। निंदा एक ऐसी चीज है जो हर किसी को प्रिय है। निंदा करने वाला व्यक्ति हमेशा यह सोचता है कि मैं जो कहता हूं वह सत्य होता है। किसी के बारे में मैं गलत नहीं बोलता, ऐसा व्यक्ति अपने आप को समाज के अंदर सत्यवादी तरीके से स्थापित करता है। निंदा का रस सबसे अधिक खतरनाक है। मुनिश्री ने कहा कि निंदा का प्रवेश जीव दो अवगुणों के कारण कराता है।

पहले अपना उत्कर्ष करने के लिए, दूसरा ईर्ष्या के कारण। या तो व्यक्ति स्व उत्कर्ष के लिए निंदा का सहारा लेता है या फिर समाज के अंदर दूसरों की उनके अवगुणों की तलाश कर निंदा करता है। वहीं व्यक्ति जीवन के अंदर जो गुण नहीं होते,उस गुण को प्राप्त कर सके ऐसी कोई शक्ति नहीं होती तो ईष्या के कारण भी व्यक्ति निंदा को प्रवेश देता है। निंदा ईर्ष्या के कारण जन्म लेती है। किसी की समृद्धि ,रूप,बोलने की कला, किसी के संघ में मान सम्मान को देखकर यहां तक की घरों में भी ईर्ष्या के कारण ही झगड़ा होता है। धन दौलत ही नहीं,कपड़े और जूते में भी लोग ईर्ष्या कर सकते हैं। एक को इतना अच्छा, मुझे इतना कम यह ईर्ष्या ही है। मुनिश्री ने कहा कि ईर्ष्या को खत्म करने के लिए मन मे कवच चाहिए।

जैसे कोरोना की बीमारी के लिए वैज्ञानिकों ने कवच तलाश किया। वैसे ही ईर्ष्या मन के अंदर अवश्य आ सकती है, लेकिन आने के बाद ईर्ष्या मन के अंदर प्रभाव ना दिखाएं उसके लिए जीवन के अंदर अच्छे दृष्टांत को लाना चाहिए। लोकप्रिय बनने के लिए सबसे पहले जीवन से निंदा का त्याग करना होगा। निंदा को बढ़ावा देने वाली ईर्ष्या और स्व उत्कर्ष की बुद्धि का त्याग करना होगा। ऐसा कर ही परमात्मा के बताएं मार्ग में तभी आगे बढ़ पाओगे और अपना कल्याण कर पाओगे।

स्टार जैसा दिखने वाला ये फल! कई बीमारियों का है रामबाण इलाज

फल हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं, क्योंकि इनमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो हमारे स्वास्थ्य को फिट और स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसा ही एक पौष्टिक फल है सितारा फल, जिसे हिंदी में कमरख कहा जाता है। कमरख एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है, जो अपने हेल्दी गुणों के लिए जाना जाता है। इस फल का सेवन करने से शरीर को कई महत्वपूर्ण फायदे मिल सकते हैं। कमरख फल लोगों को बीमारियों से बचाने में बेहद कारगर साबित हो सकता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

कमरख फल का सेवन करने से इम्यून सिस्टम मजबूत होती है। इसमें विटामिन ष्ट की भरपूर मात्रा होती है, जिससे बॉडी में इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलती है। कमरख फल शरीर की रक्षा करने वाले वाइट सेल्स के निर्माण के बढ़ाता है और शरीर कई रोगों से बचाव में मदद करता है।

कब्ज की समस्या को दूर करता है

कमरख खाने से कब्ज की दिक्कत भी दूर होती है। कमरख में काफी मात्रा में फाइबर पाया जाता है। ये पेट से जुड़ी कब्ज, अपच, गैस और पेट में दर्द जैसी दिक्कतों को दूर करने में मदद करता है।

हड्डियों को मजबूत करता है

कमरख फल खाने से हड्डियों में मजबूती आती है। कमरख फ्रूट में विटामिन सी और कैल्शियम काफी मात्रा में पाया जाता है। जो हड्डियों को मजबूत बनाने में काफी मदद करता है।

बालों की ग्रोथ के लिए फायदेमंद

कमरख फल का सेवन करते रहने से बालों की ग्रोथ भी बेहतर होती है। साथ ही ये बालों को मजबूत और घना बनाने में भी काफी मदद करता है। इस फल में विटामिन सी और विटामिन बी भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके साथ ही कमरख में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं।

कोलेस्ट्रॉल में फायदेमंद

बॉडी में कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ने से दिल से सम्बंधित बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए आप कमरख का इस्तेमाल कर सकते हैं।

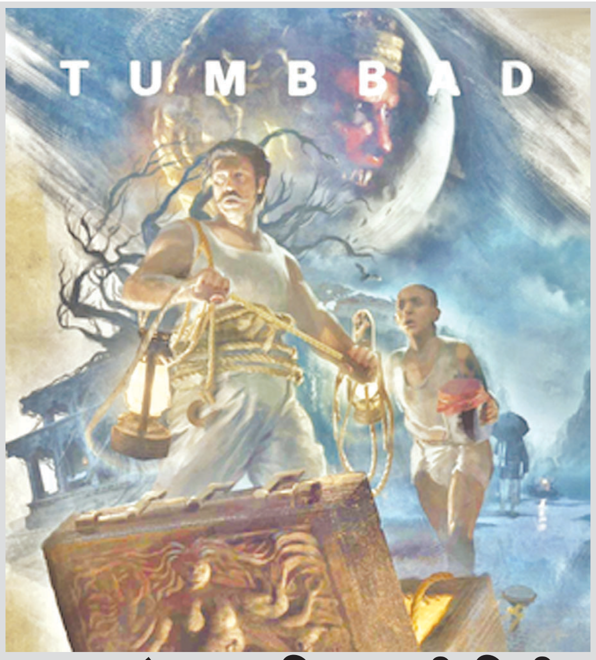

तुम्बाड ने रचा इतिहास, री-रिलीज में घिल्ली व टाइटैनिक को दी मात

सोहम शाह की हॉरर-थ्रिलर फिल्म तुम्बाड ने अपनी री-रिलीज पर इतिहास रच दिया है। फिल्म ने री-रिलीज पर शानदार कलेक्शन करते हुए कई दूसरी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। अब तुम्बाड अपनी री-रिलीज के दौरान भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इस फिल्म ने पहली बार में सिनेमाघरों में कुछ खास कमाई नहीं की थी, लेकिन अब इसकी शानदार वापसी हुई है।

तुम्बाड ने अपनी री-रिलीज पर 20 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया है। देश की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली री-रिलीज का खिताब अपने नाम करते हुए इसने घिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले तक घिल्ली अपनी री-रीलीज पर दमदार कमाई के साथ 2000 के दशक में रिलीज होने वाली बड़ी हिट थी।

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड ने सिर्फ 10 दिनों में 26.5 करोड़ रुपए की कमाई की है। फिल्म घिल्ली ने भी अपनी री-रिलीज पर इतना ही कमाया था। लेकिन अपने 11वें दिन के कलेक्शन के साथ तुम्बाड अब आगे बढ़ गई है। फिल्म ने अब तक 1.06 करोड़ बटोर लिए हैं और इससे इसकी कुल कमाई 22.63 करोड़ रुपए हो गई है। फिल्म टाइटैनिक 18 करोड़ रुपए कमाकर तीसरे नंबर पर है। वहीं शोले (13 करोड़) चौथे नंबर पर और रोमांटिक ड्रामा लैला मजनू (11.5 करोड़) पांचवें नंबर पर है।

राही अनिल बर्वे के डायरेक्शन में बनी फिल्म तुम्बाड पहली बार साल 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। तब फिल्म ने कुछ खास कमाल नहीं किया था। अब 13 सितंबर 2024 से ये फिल्म फिर से पर्दे पर है और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म के स्टार कास्ट की बात करें तो सोहम शाह, ज्योति मालशे। अनीता दाते केलकर, रोंजिनी चक्रवर्ती और दीपक दामले फिल्म का हिस्सा हैं।

31 साल बाद देश में रिलीज हो रही रामायण

एनिमेशन में देख पाएंगे रामकथा

भारतीय महाकाव्य रामायण पर बनी एनिमेटिड फिल्म रामायणः द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम आखिरकार देश के सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। 1993 में आई यह फिल्म उस वक्त भारत में रिलीज नहीं हो पाई थी, लेकिन अब 31 साल बाद इसे सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा और वो भी हिंदी के साथ-साथ अंग्रेजी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में।

- रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम एक जापानी-भारतीय एनिमेटेड फिल्म है। दोनों देशों के सहयोग से इसे बनाया गया था। फिल्म का निर्माण भारत के राम मोहन और जापान के युगो साको ने किया था। यह फिल्म रामायण को रोचक ढंग से पेश करती है।

इस फिल्म के बनने से पहले ही भारत में विवाद खड़ा हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विश्व हिंदू परिषद ने विरोध जताते हुए कहा था कि रामायण को कार्टून के रूप में दिखाना उचित नहीं है। हालांकि, बाद में फिल्म पर काम शुरू हुआ और ये बनकर तैयार भी हुई, लेकिन 1992 में बाबरी मस्जिद गिराने की घटना के कारण इसे देश में रिलीज नहीं किया गया था।

- रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम के हिंदी वर्जन में अरुण गोविल और अमरीश पुरी समेत कई कलाकारों ने अपनी आवाज दी है। वहीं, अंग्रेजी वर्जन में जेम्स अर्ल जोन्स और ब्रायन क्रैन्स्टन समेत कई कलाकारों की आवाज सुनने को मिलेगी। इस फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 9.2 है।

- रामायण: द लीजेंड ऑफ प्रिंस राम को 2002 में टीवी पर साप्ताहिक सीरीज के तौर पर दिखाया गया था। इसका प्रसारण कार्टून नेटवर्क पर हुआ करता था और बच्चे इसे खूब पसंद करते थे। वनराज भाटिया ने इस फिल्म के गाने कंपोज किए हैं। फिल्म को 18 अक्तूबर, 2024 को रिलीज किया जाएगा।

नवरात्रि पर आयुष्मान-पश्मीना बिखेरेंगे गरबे का रंग, जचदी का पोस्टर किया रिलीज

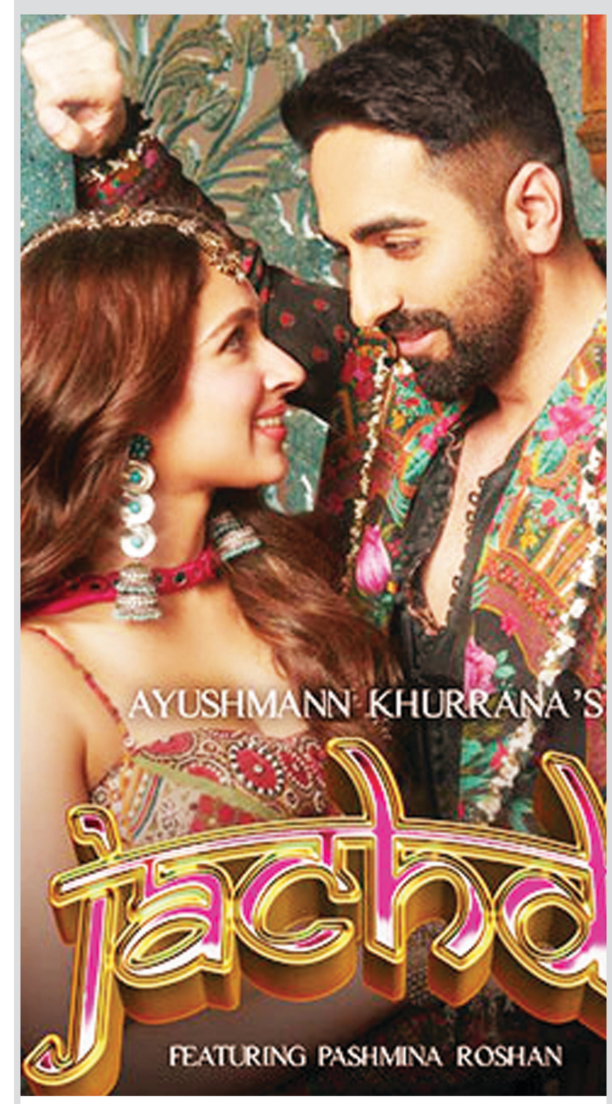

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और पश्मीना रोशन का गरबा गीत जचदी का पोस्टर सोशल मीडिया शेयर किया गया है। यह अपकमिंग गाना नवरात्रि के जश्न को और भी ज्यादा बढ़ा देगा। इस गाने को आयुष्मान ने अपनी आवाज दी है। इस गाने में नजर आने वाली पश्मीना ने इस साल की शुरुआत में निपुण धर्माधिकारी की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से अपना डेब्यू किया था।

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना ने इस पोस्टर को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- इस नवरात्र को और खास बनाने के लिए जचदी लेकर आ रहा हूं। यह गाना 27 सितंबर को रिलीज होगा। इसमें पश्मीना रोशन नजर आएंगी, एक्टर ने इस पोस्ट को जचदी, म्यूजिक, कमिंगसून और स्टेट्यून्ड जैसे हैशटैग के साथ पोस्ट किया। यह पहली बार नहीं है जब आयुष्मान ने अपने किसी गाने को अपनी आवाज दी है। 40 वर्षीय एक्टर ने ने पानी दा, साड्डी गली, ओ हीरिए, इक वारी, ओ स्वीटी स्वीटी, मिट्टी दी खुशबू और रातां कलियां जैसे कई ट्रैक गाए हैं। पोस्टर में आयुष्मान और पश्मीना रंग-बिरंगे परिधानों में हैं जो पूरी तरह से गरबे की वाइब दे रहे हैं। पोस्टर में उनकी केमिस्ट्री को देखकर ऐसा लगता है कि गाने में रोमांस भी है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आयुष्मान पिछली बार ड्रीम गर्ल 2 में दिखे थे जो 2023 में रिलीज हुई थी। जिसमें उनके अपोजिट अनन्या पांडे ने स्क्रीन शेयर की थी। इस फिल्म में उनके साथ मनोज सिंह, विजय राज, अन्नू कपूर जैसे कलाकार थे। दूसरी ओर पश्मीना रोशन ने इश्क विश्क रीबाउंस से अपना डेब्यू किया है जिसमें उनके साथ रोहित सराफ, जिब्रान खान और नायला अग्रवाल जैसे कलाकार लीड रोल में थे।

प्रतिभा रांटा ने लापता लेडीज में मौका देने के लिए किरण राव को दिया धन्यवाद

कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुने जाने पर अभिनेत्री प्रतिभा रांटा ने फिल्म निर्माता किरण राव को मौका देने के लिए धन्यवाद दिया।

लापता लेडीज में जया की भूमिका निभाने वाली प्रतिभा ने इंस्टाग्राम पर अपने सह-कलाकारों स्पर्श और नितांशी गोयल के साथ फिल्म की कई तस्वीरें शेयर की। इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने लिखा, कल का दिन जीवन के सबसे खास दिनों में से एक रहा। हमारी फिल्म 'लापता लेडीज' को ऑस्कर में भारत की आधिकारिक एंट्री के तौर पर चुना गया है। किरण मैडम, आपके समर्थन और मुझे यह मौका देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। जश्न मनाना बंद नहीं कर सकते।

नितांशी ने भी अपनी फिल्म का जश्न मनाने के लिए किरण के साथ तस्वीरें शेयर की। उन्होंने लिखा, फूल इंग्लिश में बताएं बहुत खुश और आभारी महसूस कर रही हूं कि लापता लेडीज ऑस्कर 2025 के लिए भारत की आधिकारिक एंट्री है, कलाकंद बनाने जा रही हूं आप सबके लिए। आपकी फूल।

23 सितंबर को कॉमेडी ड्रामा लापता लेडीज को फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा ऑस्कर 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म श्रेणी में भारत की आधिकारिक एंट्री के रूप में चुना और प्रस्तुत किया गया। ऑस्कर मार्च 2025 में आयोजित होने वाला है। यह फिल्म 29 फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी, जिनमें एनिमल, किल, कल्कि 2898 ईडी, श्रीकांत, चंदू चैंपियन, जोरम, मैदान, सैम बहादुर, आर्टिकल 370, मलयालम फिल्म आट्टम और पायल कपाड़िया की ऑल वी इमेजिन एज लाइट शामिल है।

असमिया निर्देशक जाह्नू बरुआ की अध्यक्षता में, 13 सदस्यीय चयन जूरी ने लापता लेडीज पर फैसला किया। इस फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन ने अभिनय किया है। लापता लेडीज का निर्माण किरण राव, आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने किया है। लापता लेडीज को मार्च 2024 में रिलीज किया गया। इस फिल्म ने सिनेमाघरों में 100 से अधिक दिनों तक दर्शकों को आकर्षित किया। इसके बाद ओटीटी पर भी इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला।

यह फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है। यह स्लाइस-ऑफ-लाइफ कॉमेडी है। इस कहानी में एक ही ट्रेन में सफर कर रही दो दुल्हनें आपस में बदल जाती हैं। एक किसी दूसरे दूल्हे के साथ उसके घर चली जाती है, वहीं एक रेलवे स्टेशन पर ही रुककर अपने पति का इंतजार करती है। यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है।इसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। इसकी कहानी और संवाद स्नेहा देसाई ने लिखे हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा ने लिखे हैं।

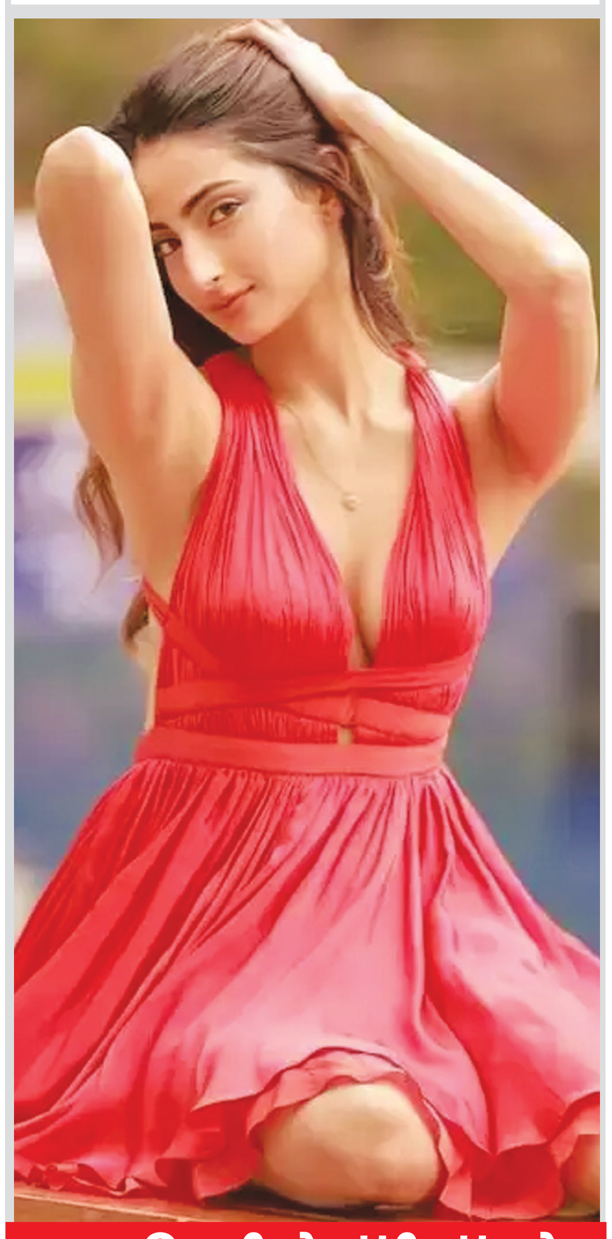

पलक तिवारी ने बॉडीकॉन ड्रेस में लगाया ग्लैमर का तड़का

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर रिझाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस पलक तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो जब भी इंस्टाग्राम पर कुछ पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पलक तिवारी ने ब्लू कलर की बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो किलर पोज देती हुई इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।

बालों को ओपन कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पलक तिवारी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं।

पलक तिवारी की इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो क्यूट सी स्माइल देते हुए फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींचती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर आए दिन अपने नए लुक्स की तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है।

खट्टी-मीठी ड्रिंक से मिलेगा कमाल का ग्लो, यहां जानें ग्लोइंग स्किन ड्रिंक का राज

आज के इस भाग दौड़ भरी लाइफ में ग्लोइंग स्किन पाना लोगों के लिए चुनौती बन गई है। रोज की दौड़-भाग और पॉल्यूशन के संपर्क में आने के कारण हमारी स्किन ड्राई होने लगती है। जिससे चेहरे पर दाग-धब्बों की समस्या होने लगती है। ऐसे में जब भी आप किसी का ग्लोइंग स्किन देखते हैं, तो आपको लगता है काश आपका भी चेहरा ऐसा ग्लो कर पाता। इसके लिए आप मार्केट में उपलब्ध महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं फिर भी रिजल्ट नहीं मिलता। लेकिन अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

इन चीजों की मदद से बनाएं ड्रिंक

आज हम आपको एक ऐसी ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके लगातार सेवन से कुछ ही दिनों में आपके चेहरे पर चमक दिखने लगेगा। इसके लिए आपको कोई पैसे देने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी न ही किसी महंगे स्किन केयर की। बता दें कि ये ड्रिंक इसलिए खास है क्योंकि इसे बनाने के लिए पानी के अलावा 5 चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन चीजों को कच्चा खाने से भी आपके स्किन पर काफी निखार आता है। ये ड्रिंक है सेब और आंवला से बने जूस की। इस ड्रिंक को बनाने के लिए आपको 2-3 आंवले, अदरक, सेब, करी पत्ते और पानी की आवश्यकता पड़ेगी।

ऐसे बनाएं सेब और आंवले का जूस

बता दें कि इस जूस को बनाने के लिए सबसे पहले सेब और आंवले को टुकड़ो में काट लें। इसके बाद इसमें अदरक के 1-1 इंच के दो टुकड़ों को डालें। अब इसमें एक नींबू के रस को निचोड़कर इसका जूस डालें। इन सबको अच्छे से मिक्सी में डालकर ब्लेंड कर लें। अब ये जूस पीने के लिए तैयार है। इस जूस का रोजाना सेवन करने से कुछ ही दिनों में आपके चेहरे पर ग्लो दिखने लगेगा। ध्यान रहे कि इस जूस को ताजा बनाकर ही पीएं, क्योंकि इसे स्टोर करके रखने से ये कड़वा और खट्टा हो सकता है। इस जूस के सेवन से आपके पाचन तंत्र में भी काफी सुधार होता है।

भारत का सिडनी में व्यापार संवर्धन कार्यालय होगा: पीयूष गोयल

नई दिल्ली (पीआईबी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में व्यापार संवर्धन के लिए एक कार्यालय की स्थापना की घोषणा की, जिसमें इन्वेस्ट इंडिया, एनआईसीडीसी, ईसीजीसी, व्यापार एवं पर्यटन से जुड़े अन्य अधिकारियों के साथ-साथ सीआईआई द्वारा निजी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के व्यापार एवं पर्यटन मंत्री डॉन फैरेल के साथ आज एडिलेड में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, गोयल ने कहा कि यह कार्यालय दोनों पक्षों के निवेशकों और व्यवसायों के बीच एक सेतु का काम करेगा। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, पर्यटन और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में इस भागीदारी को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

श्री गोयल ने कहा कि भारत आज 'मेक इन इंडिया के 10 वर्ष' का उत्सव मना रहा है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने विनिर्माण क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक संपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान किया। इसमें बुनियादी ढांचे के लिए 'प्लग एंड प्ले', अनुमोदन के लिए एकल खिड़की प्रणाली, अनुपालन बोझ को कम करने, कानूनों को अपराधमुक्त बनाने, नए क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लाने और स्टार्टअप इको-सिस्टम को प्रोत्साहित करने के प्रावधान सम्मिलित किए गए हैं, जो भारत में विनिर्माण को आकर्षित करने के लिए एक बहु-आयामी दृष्टिकोण को दर्शाता है।

श्री गोयल ने भारत के मेक इन इंडिया कार्यक्रम और ऑस्ट्रेलिया के मेक इन ऑस्ट्रेलिया कार्यक्रम के बीच प्रौद्योगिकियों, अवसरों का आदान-प्रदान करने और एक-दूसरे के साथ कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत सारे वादों का उल्लेख किया। मंत्री महोदय ने कहा कि शिक्षा, कौशल विकास, निवेश, पर्यटन, महत्वपूर्ण खनिजों, स्थिरता के लिए हरित इको-सिस्टम में बढ़ा हुआ सहयोग ऐसे क्षेत्र हैं, जहां भागीदारी में महत्वपूर्ण संभावनाएं हैं।

ऑस्ट्रेलिया के अपने दौरे के बारे में बताते हुए, श्री गोयल ने कहा कि सीआईआई और फिक्की दोनों के नेतृत्व को पहली बार ऑस्ट्रेलिया में प्रतिनिधित्व मिला, जो इस भागीदारी के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि मई 2022 से वरिष्ठ नेताओं की नौ बैठकों के साथ दोनों देशों के बीच अभूतपूर्व संबंध नेताओं के गहरे संबंधों को दर्शाते हैं और व्यापार तथा लोगों के एक-दूसरे के साथ जुड़ाव को और मजबूत करते हैं।

श्री गोयल ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) के माध्यम से आर्थिक-सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईसीटीए समझौते के फ्लस्वरूप दोनों पक्षों को बाजार तक पहुंच मिली है और इसकी वजह से माल व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

श्री गोयल ने अधिक व्यापार, प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान, स्थिरता के लिए साझा लक्ष्यों और हाई-टेक सेवाओं तथा निवेश के प्रावधान के जरिये भारत की यात्रा में ऑस्ट्रेलिया की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा, भारत 4 डी के लाभ प्रदान करता है- लोकतंत्र, जनसांख्यिकीय लाभांश, मांग और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निर्णायक नेतृत्व, जो देश में सुधार, प्रदर्शन और बदलाव लाने के लिए तैयार है।

पक्का आवास से प्रेमसागर और उसमा को बुनाई कार्य में नहीं होती है समस्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

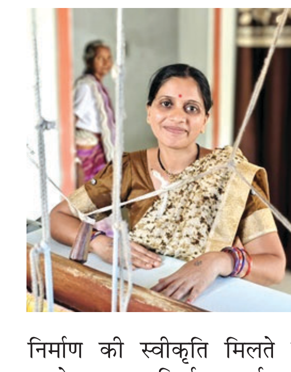

बालोद। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् पक्का आवास निर्माण होने से अब बालोद जिले के ग्राम देवारभाट निवासी प्रेमसागर देवांगन और उनकी पत्नी उसमा को बुनाई के कार्य में काफी सुविधा हुई है। पहले बारिश के दिनों में कच्चे मकान में बुनाई का कार्य करने में काफी समस्या होती थी, बारिश के दौरान उनके द्वारा बुने गए कपड़े छत से टपकने वाली पानी की बूंदो से भीगकर खराब हो जाती थी।

लेकिन अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् पक्का आवास में बुनाई के कार्य में किसी प्रकार की समस्या नहीं होती है। पेशे से रोजी मजदूरी और बुनकर के रूप में काम करने वाले प्रेमसागर ने बताया कि पहले कच्चे मकान में रहते थे, जहॉ समय समय पर समस्याओं का सामना करना पड़ता था। कच्चा मकान के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में उसके मरम्मत में भी काफी पैसे लगते थे। पक्का आवास बनाने का सपना अधूरा ही रह गया था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास निर्माण की स्वीकृति मिलते ही हमारे घर का निर्माण कार्य शुरू हुआ और अब हमारा आवास पूरी तरह बन गया है और परिवार के साथ खुशी खुशी घर में सभी रहते हैं। उसमा बताती हैं कि उन्हे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् पक्का आवास मिला, जिसमें उन्हें जल जीवन मिशन के तहत् नल कनेक्शन और शौचालय का निर्माण किया गया है। अब उनके घर में ये सभी मूलभूत सुविधा मिलने से वे बहुत खुश हैं, किसी प्रकार की समस्या नहीं है। उसमा ने कहा कि उसे महतारी वंदन योजना के तहत् प्रतिमाह 01 हजार रूपये भी मिल रहा है। जिससे वह अपने कई सारे छोटे-छोटे खर्च में उपयोग करती है।

नाहंदा जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों को मिली कई सौगातें

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। जिले के डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के ग्राम नाहंदा में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर ग्राम नाहंदा एवं आसपास के ग्रामीणों को शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत अनेक सौगात मिला।

शिविर में ग्रामीणों के अनेक समस्याओं का मौके पर निराकरण होने तथा शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत अंचल के अनेक ग्रामीणों के लाभान्वित होने से यह शिविर अंलचवासियों के लिए सौगातों भरा साबित हुआ।

शविर में विभिन्न विभागों से प्राप्त कुल 491 आवेदनों में से कुल 70 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष मिथलेश निरोटी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने शिविर में अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु पहुँचे लोगों से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर आम जनता के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर आम जनता से कुल प्राप्त आवेदन तथा उनके निराकरण हेतु की जा रही कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली।

नए भारत के निर्माण की राह दिखाने वाले पंडित दीनदयाल : भावना बोहरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। भावना बोहरा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति के एक प्रमुख विचारक हुए जिन्होंने भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीयता और अंत्योदय के विकास पर देश की राजनीति को एक नई दृष्टि दी। अंत्योदय का सिद्धांत विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए समर्पित है।

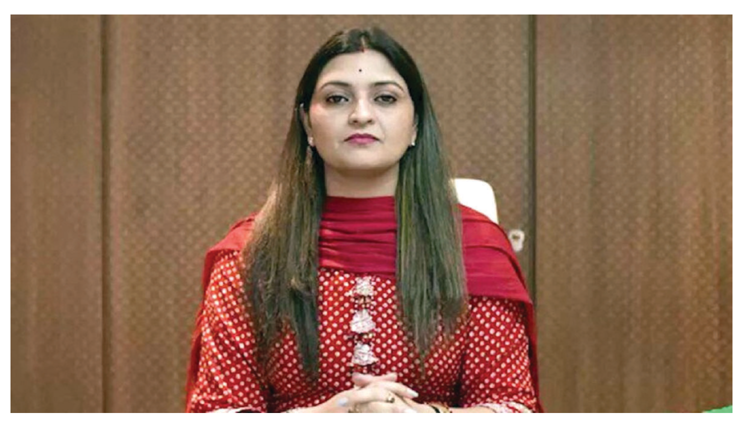

स्वतंत्रता के बाद एक तरफ जहां भारत प्रगति के नए सपने देख रहा था वहीं दूसरी ओर समाज की पंक्ति में आगे खड़े लोगों की दुर्दशा पंडित जी को बेचैन कर रही थी। उन्हें लग रहा था कि देश की तत्कालीन राजनीतिक व्यवस्था इस अंतर को मिटाने में सक्षम नहीं है क्योंकि व्यवस्था का दृष्टिकोण भारतीय नहीं है। इस उद्देश्य से उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए अंत्योदय को एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया। दीनदयाल जी का मानना था कि विकास का असली मतलब केवल आर्थिक वृद्धि नहीं, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के उत्थान में है। किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उस समाज के अंतिम व्यक्ति की भलाई से मापी जाती है। दीनदयाल जी के अंत्योदय का सिद्धांत न केवल आर्थिक विकास पर केंद्रित है, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय और समानता भी शामिल है। उपाध्याय का मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति अपने अधिकारों और संसाधनों से वंचित रहेगा, तब तक वास्तविक विकास संभव नहीं है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित और अंत्योदय के प्रति समर्पित हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राष्ट्रनिर्माण की दिशा में अपने तीसरे कार्यकाल में सतत समर्पित हैं। विगत 10 वर्षों में श्री मोदी को सरकार ने देश के अन्नदाताओं के लिए किसान सम्मान निधि के माध्यम से प्रतिमाह 6000 रुपए की राशि सुनिश्चित की है, जिसके माध्यम से 2.25 लाख करोड़ रुपए सीधे किसानों के खातों में जमा हुए हैं। इसके साथ ही मोदी जी के नेतृत्व में 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। इसके साथ ही लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए मोदी जी ने 33प्रशित आरक्षण की सौगात भी दी है। तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने से लेकर गांव-गरीब-मजदूर तक ढ़ेरों योजनाएं संचालित कर मोदी जी ने सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य को धरातल पर साकार किया है। भावना बोहरा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में इसी अंत्योदय के विचार पर चलते हुए भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश की जरूरतमंदों के लिए चावल, निशुल्क नमक, आदिवासी अंचल में निःशुल्क चरण पादुकाओं का वितरण समेत ढ़ेरों योजनाएं संचालित की। इसके साथ ही आज मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की 70 लाख माताओं-बहनों को प्रतिमाह 1000 का आर्थिक सहयोग, 18 लाख जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास समेत कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं आज छत्तीसगढ़ का नेतृत्व भी एक ऐसे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथ में हैं। जो अंत्योदय के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। वह आदिवासी समाज जिसे पंक्ति में सबसे पीछे समझा जाता था आज वह हम सभी छत्तीसगढ़वासियों का नेतृत्व कर रहे हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांत में स्वावलंबन की भावना भी निहित है, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षा को अंत्योदय के लिए एक महत्वपूर्ण साधन माना। उनका मानना था कि शिक्षा ही लोगों को अपने अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक कर सकती है। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय का जीवन और उनके विचार भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनका अंत्योदय का सिद्धांत आज भी प्रासंगिक है और यह दर्शाता है कि समाज के अंतिम व्यक्ति की भलाई के बिना सच्चा विकास संभव नहीं है। उपाध्याय जी की सोच और दृष्टि हमें यह सिखाती है कि एक सशक्त और समान समाज की स्थापना के लिए हमें मिलकर प्रयास करना होगा।

डिप्टी सीएम साव ने स्वच्छता मैराथन को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रसिद्ध विचारक एवं चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया है। उन्होंने बिलासपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। वे इस दौरान बिलासपुर नगर निगम द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा में भी शामिल हुए। उन्होंने विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ उद्यान में झाड़ू लगाकर सफाई की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने स्वच्छता मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने स्वच्छता दीदियों को साड़ी और किट भी वितरित किए। विधायक धरमलाल कौशिक, धरमजीत सिंह और सुशांत शुक्ला, जिला पंचायत के अध्यक्ष अरुण सिंह चौहान, कलेक्टर अवनीश शरण और नगर निगम के आयुक्त अमित कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय देश के बड़े विचारक और चिंतक थे। उन्होंने आधुनिक राजनीति को एक नई दिशा दी। देश की विरासत के अनुरूप हमारा देश तरक्की करे, यह उनका विचार था। उनकी विचारधारा के अनुरूप विकास कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रदेश को आगे ले जा रहे हैं। पूरी दुनिया यह मान रही है कि 21वीं सदी भारत की है और भारत देश ही विश्व का नेतृत्व करेगा।

श्री साव ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, बाबा साहब अंबेडकर और पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने स्वच्छता को जीवन में सर्वोच्च स्थान दिया। इसका सीधा संबंध हमारी बेहतरी और स्वास्थ्य से है। भारत सरकार एवं राज्य सरकार स्वच्छता पर लगातार काम कर रही है।

जीएम नौटियारा की अध्यक्षता में जेडआरयूसीसी की बैठक सदस्यों ने रेलवे के डेवलपमेंट व सुरक्षा पर दिए सुझाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे 19वीं क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की इस वर्ष की दूसरी बैठक आज दिनांक 25 सितंबर 2024 को महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, सुश्री नीनु इटियेरा की अध्यक्षता में सौहार्दपूर्ण एवं सहयोगात्मक वातावरण में संपन्न हुई। इस बैठक में क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के 12 सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सदस्यों के अतिरिक्त दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान सभी सदस्यों ने रेलवे के डेवलपमेंट व सुरक्षा को लेकर आवश्यक सुझाव दिए। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सचिव समीर कांत माथुर ने इस बैठक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की समस्त उपलब्धियों में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से आप सभी सदस्यों के सुझाव एवं सहयोग समाहित है।

बैठक की अध्यक्षता कर रही जीएम नीनु इटियेरा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्रीय रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति ने अपने उद्बबोधन में सदस्यों का इस बैठक में स्वागत करते हुए यात्री सुविधाओं के विकास के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यो एवं जोन की उपलब्धिओं से अवगत कराया। उन्होनें कहा कि यात्रियों की सुविधा और उनकी अपेक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे लगातार यात्री सुविधाओं के विकास कार्य कर रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग का पूनर्विकास तथा 47 स्टेशनों का उन्नयन किया जा रहा है। महाप्रबंधक ने सभी माननीय सदस्यों के साथ विचार विमर्श करते हुए कहा कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सुरक्षित रेल परिचालन के लिए सभी रेलकर्मी निरंतर अथक प्रयास कर रहे हैं। यात्री सुविधाओं एवं सेवाओं में निरंतर विकास हम सब का उद्देश्य है । उन्होने सदस्यों के सकारात्मक सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके जेडआरयूसीसी के सचिव समीरकांत माथुर ने पावरपाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा उपलब्ध कराई गयी यात्री सुविधा एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इस बैठक में यात्री सुविधाओं से संबंधित तथा यात्री सुविधा विकास एवं परियोजनाओं से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। माननीय सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझावों के रूप में यात्री सुविधाओं से संबन्धित मुद्दे जिसमें में प्रमुख रुप से ट्रेनों के ठहराव, विस्तारीकरण तथा महत्वपूर्ण समपार फाटकों पर रोड ओवर ब्रिज/ रोड अंडर ब्रिज की सुविधा सहित विभिन्न यात्री सुविधाएं आदि शामिल थे।

इस बैठक में निमाई बनर्जी, बिलासपुर, संजय मित्तल, बिलासपुर, राजेन्द्र जग्गी, चेंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज, रायपुर, लोकेश साहू, वेगेंद्र कुमार सोनबर, मुकेश तिवारी, अशोक जैन, बालाघाट, गोपाल प्रसाद अग्रवाल, सत्येन्द्र सिंह ठाकुर, नेहा खूंटे, गजेन्द्र नारायण राव फुग्डे, संजय हेमराज गजपुरे आदि शामिल रहे। सभी ने सटीक व सकारात्मक सुझाव दिये । महाप्रबंधक ने उनके सकारात्मक सहयोग एवं सुझाव के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया। सेवाओं से संबन्धित परामर्श एवं सेवाओं की दक्षता में सुधार के लिए उप महाप्रबंधक (सा.) के द्वारा सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

मौसम का मिजाज बदला, हल्की वर्षा से मौसम सुहावना

रायपुर। राजधानी में आज सुबह से ही मौसम सुहावना रहा। सुबह करीब 10 बजे के आसपास आसमान में छाए बादल गहराते गए और 11 बजे के आसपास शहर में खंड वर्षा शुरू हो गई। शहर के कई इलाकों में जहां झमाझम बारिश हो गई तो वहीं कहीं जगहों पर केवल हल्की वर्षा हुई।

मौसम विभाग ने पहले ही अलर्ट जारी किया था कि प्रदेश में एक बार फिर से लौटते हुए मानसून से वर्षा की गतिविधियां शुरू हो जाएगी। हुआ भी ऐसा ही, लौटते हुए मानसून से प्रदेश के कई जिले एक बार फिर से सरोबोर हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार सरगुजा के अलावा रायपुर संभाग के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा के आसार बने हुए हैं। इस दौरान दोनों संभागों के जिलों के अलावा मध्य छत्तीसगढ़ में भी हल्की से मध्यम वर्षा के आसार बने हुए हैं। इधर राजधानी में आज सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। इसके बाद आसमान में छाए बादल घने होते गए और सुबह करीब 11 बजे के आसपास हल्की बारिश शुरू हो गई, जो करीब आधे घंटे तक जारी रही। इस दौरान शहर के आउटरों के कई इलाकों में मध्यम वर्षा हुई, वहीं शहर के अंदर खंडवर्षा की स्थिति देखी गई। शहर के कई इलाकों में जहां अच्छी बारिश हुई तो वहीं कई इलाकों में केवल बूंदाबांदी हुई।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सीजी-तेलंगाना बॉर्डर में सीआरपीएफ कैंप पर नक्सलियों का अटैक, बीजीएल व रॉकेट दागे

बीजापुर। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सरहद पर स्थित एक सीआरपीएफ कैंप पर नक्सलियों ने हमला किया है। बुधवार की रात माओवादियों ने 3 राउंड बीजीएल और रॉकेट लॉन्चर दागे हैं। हालांकि, जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद नक्सली भाग गए। कैंप में मौजूद सारे जवान सुरक्षित हैं। मामला जिले के चारला मंडल का है।

मिली जानकारी के अनुसार तेलंगाना के भद्रादि कोत्तागुड़म के चारला मंडल के पुसुगुप्पा में सीआरपीएफ का कैंप है। मंगलवार रात यहां नक्सली पहुंचे और कैंप पर रॉकेट लॉन्चर और बीजीएल दागे। ये फटे भी, लेकिन किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ। वहीं धमाके की आवाज सुनकर कैंप के सारे जवान बैरक से बाहर आए। सभी ने मोर्चा संभाला और नक्सलियों पर जवाबी कार्रवाई की। जिसके बाद नक्सली जंगल की तरफ ही भाग निकले।

ऋण पुस्तिका में फर्जीवाड़ा जमानतदार पर केस दर्ज

भिलाई। दुर्ग कोर्ट के आदेश पर एक जमानतदार के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी संतोष मांडले ने ऋण पुस्तिका में फर्जीवाड़ा किया था। पकड़े जाने पर कोर्ट ने उसके खिलाफ धारा 318(4), 338, 339 के तहत अपराध दर्ज कराया था। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि कोर्ट की ओर से विकेश शर्मा ने शिकायत दर्ज कराई। मंगलवार को कोर्ट में थाना मोहन नगर के प्रकरण में सुनवाई हुई, जहां आरोपी अमित निषाद, विकास यादव एवं राजकुमार साहू की ओर से जमानतदार के रूप में संतोष मांडले कोर्ट में पेश हुआ। उसने कोर्ट में नई किसान किताब प्रस्तुत की। जब कोर्ट को शंका हुई तो जांच की। पता चला कि जमानतदार ने पिछले 8 दिसंबर को उसी ऋण पुस्तिका पर दूसरे व्यक्ति की जमानत ली।

घर में गाज गिरने से ग्रामीण की मौत, 3 सदस्य घायल

कोरबा। बारिश के बीच एक घर में गाज गिरने से बुधवार का वहां बैठे ग्रामीण की मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी समेत 3 लोग घायल हो गए। घटना रजगामार चौकी अंतर्गत चाकामार गांव में हुई, जहां निवासरत अंजोर सिंह (35) अपनी पत्नी व दो अन्य लोग के साथ बुधवार देर शाम घर में बैठकर बातचीत कर रहा था। इस दौरान गरज-चमक के साथ बारिश हो रही थी। एकाएक उनके घर पर गाज गिरी, जिससे बैठकर बातचीत कर रहे चारों लोग दूर जाकर गिर गए। घटना में अंजोर सिंह की मौत हो गई, जबकि अन्य तीनों लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी होते ही ग्रामीणों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

बकरी चरा रहे ग्रामीण को सांप ने डसा, हालत गंभीर

कोरबा। बकरी चराने जंगल गए एक ग्रामीण को सांप ने डंस लिया। घटना के बाद घर पहुंचकर ग्रामीण ने परिजन को बताया। उसे अस्पताल दाखिल कराया गया। जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई गई है। हरदीबाजार निवासी फिरत राम जगत बुधवार की सुबह घर से बकरी चराने निकला था। वह गांव के समीप जंगल में पहुंचकर बकरी चरा रहा था। इस दौरान वहां झाड़ियों के बीच से निकले सांप ने उसे डंस लिया। घटना के बाद ग्रामीण जंगल से भागते हुए घर पहुंचा। उसने परिजन को सांप के डंसने की जानकारी दी। परिजन उसे लेकर हरदीबाजार स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां से मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बीआईटी दुर्ग के जूनियर ने अपनी सीनियर से की 36 लाख की ठगी

बिटक्वाइन में इन्वेस्ट करने का दिया था झांसा, पुलिस ने दर्ज किया केस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। स्मृति नगर भिलाई की रहने वाली एक महिला से उसके साथ इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाले एक जूनियर ने 36 लाख से ज्यादा की ठगी कर दी। कॉलेज परिचित होने के कारण महिला अपने जूनियर पर विश्वास कर बैठी और ठगी का शिकार हो गई। महिला को उसके जूनियर ने बिटक्वाइन में अच्छ मुनाफा होने का झांसा दिया था। महिला को जब इस बात का अहसास हुआ कि उसके जूनियर ने उससे फ्रॉड किया है तब जाकर उसने स्मृति नगर चौकी में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार स्मृति नगर निवासी वैष्णवी नायर 2012 मे बीआईटी दुर्ग मे पढाई कर रही थी और 2016 में पासआउट हुई। 2014 में नागपुर निवासी तन्मय विनोद कोहड बीआईटी में पढाई करने आया। जूनियर होने के नाते उससे वैष्णवी नायर का परिचय हुआ। 2016 मे मै कालेज से पासआउट होने के बाद से वह स्मृतिनगर मे ही रह रही थी। 2019 में तन्मय विनोद कोहड वैष्णवी को कॉल कर पूछा की दीदी कहीं काई जॉब हो तो बताना। वैष्णवी ने उसका रिज्यूम मंगाया लेकिन जॉब नहीं लगा पाई।

2020 में फोन कर बताया बिटक्वाइन के फायदे

इसके बाद अगस्त 2020 मे तन्यम ने वैष्णवी को फोन कर बताया कि दीदी बीट क्वाईन में इन्वेस्ट करने पर अच्छा पैसा रिटर्न मिलता है यदि आप पैसा इन्वेस्ट करेगी तो मै आपको अच्छा पैसा रिटर्न दिलवा दूंगा। वैष्णवी उसकी लुभावनी बातों मे आ गई और 10 अगस्त 2020 को स्मृतिनगर अपने घर से उसके पेटीएम नंबर 98933-87652 पर 7800 रुपए दिए। तन्मय ने इसके एवज में 6500 रुपए रिटर्न किया और मुझे बताया कि बडी रकम डालने से ज्यादा फायदा होगा। इस वैष्णवी ने बिटक्वाइन पर उसके नाम से खाता शुरू करने कहा तो उसने उसी के नाम पर इन्वेस्ट होने दें।

जूनियर व परिचित होने के कारण किया विश्वास

वैष्णवी नायर भी जूनियर होने व परिचित होने के कारण उस पर विश्वास कर बैठी। इसके बाद उसने 2020 से 2022 तक उसके पेटीएम नंबर-98933-87652 में पैसा डालती रही। तन्मय विनोद कोहड द्वारा किसी भी प्रकार का रिफंड नही दिया गया। रिफंड के संबध मे बात करने पर शेयर मार्केट डाउन है इसलिये रिफंड नही मिल रहा है जो शेयर मार्केट के सही होने पर मिलेगा। वैष्णवी उसकी बातों मे विश्वास करती रही और अपने पैसो के वापसी का इंतजार करती रही किन्तु तन्मय विनोद कोहड द्वारा उसे कोई रिटर्न नहीं दिया और उसके फोन को ब्लाक कर दिया।

तीन साल में दे दिए 36 लाख 15 हजार रुपए

वैष्णवी ने बिटक्वाईन के नाम पर तन्मय कोहड को 2020 में दिनांक 10 अगस्त से 29 दिसंबर तक 73051 रुपए दिए। इसी प्रकार 2021 में 1 जनवरी 21 से 23 फरवरी तक 5,10,862 रुपए और 2022 में 3 जनवरी से 28 अप्रैल तक लगभग 30,31,299 रुपए कुल 36,15,212 इन्वेस्ट कर दिया। पूरी रकम तन्मय के पेटीएम अकाउंट पर भेजा था। वैष्णवी ने बताया कि तन्मय कोहड उसके घर स्मृतिनगर आकर बातचीत करता था एवं कभी कभी रुकता भी था। तन्मय विनोद कोहड ने मुझे विश्वास में बिटक्वाईन में ज्यादा मुनाफा दिलाने का झांसा दिया और 36,15,212 रुपए की ठगी की है।

एम्स में पुजारी की नौकरी के नाम पर 11 लाख की ठगी, मां-बेटी गिरफ्तार

■ मां-बेटी बोली-अयोध्या की तरह बनेगा मंदिर, हर महीने मिलेंगे 90 हजार

रायपुर। रायपुर एम्स में पुजारी की नौकरी लगाने के बहाने 11 लाख की ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया है। बताया जा रहा है कि ठग मां और बेटी ने मिलकर पुजारी से धोखाधड़ी की है। पुलिस ने शिकायत के बाद ठग मां-बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है।

पुजारी अजीत मिश्रा ने बताया कि 2021 में उसकी मुलाकात पूनम निहाल और उसकी बेटी संजना निहाल से हुई थी। पूनम ने बताया कि वह एम्स में नौकरी करती है। कैंपस में केंद्र सरकार अयोध्या की तरह एक बड़ा मंदिर बनवाने वाली है। मंदिर में पुजारी की हर माह सैलरी 90 हजार रुपए होगी। वह उसकी नौकरी लगवा देगी। इस दौरान संजना ने भी उसे विश्वास दिलाया। पुजारी ने 2021 से लेकर अगस्त 2023 तक अपने रिश्तेदारों से कर्ज लिया, फिर उसने 6 से 7 किस्तों में दोनों ठग मां बेटी को करीब 11 लाख 16 हजार रुपए दे दिए। इस दौरान वह लगातार अलग-अलग महीने और त्योहारों में पोस्ट निकलने की बात कहते रहे। लंबे समय तक इंतजार करने के बाद अजीत को शक हुआ, फिर पुजारी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

6 महीने बाद पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मामले में आमानाका पुलिस ने करीब 6 महीने पहले जांच की। इसके बाद एफआईआर की। आरोपी मां बेटी ने पीड़ित पुजारी को करीब चार लाख रुपए वापस किए हैं, लेकिन बाकी पैसों के लिए टालमटोल करते रहे। मंगलवार को जब मीडिया के सामने मामला आया, तब आमानाका पुलिस को फौरन एक्शन लेने के निर्देश दिए गए। मामले में पुलिस ने आरोपी पूनम निहाल और उसकी बेटी संजना निहाल को 420 के मामले में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है।

तीन घंटे में सुलझा मामला: पुलिस ने बनाई टीम, चोरी हुई कार बरामद, सीसी टीवी फुटेज से मिला एक सुराग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिला मुख्यालय के कोतरारोड़ थाना क्षेत्र में आज हुई कार लूट की घटना को रायगढ़ पुलिस ने त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए महज तीन घंटे के भीतर सुलझा लिया। इस घटना के बाद जिले में नाकेबंदी कर सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधीक्षकों को वारदात की जानकारी दी गई थी। हेड क्वार्टर डीएसपी अखिलेश कौशिक और साइबर सेल डीएसपी अभिनव उपाध्याय के नेतृत्व में कोतरारोड़ थाना, साइबर सेल और भूपदेवपुर की टीम गठित की गई और उन्हें तुरंत कार्रवाई में लगाया गया।

इस मामले में रायगढ़ पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल स्वयं रेलवे स्टेशन पहुंचे और उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच की। साथ ही टीमों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस दौरान रायगढ़ पुलिस टीम ने सारंगढ़, सक्ती, कोरबा, झारसुगुडा पुलिस के साथ समन्वय स्थापित किया गया। एक टीम सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए आरोपियों के रूट और पहचान की पुष्टि की और सीमावर्ती जिलों के पुलिस अधिकारियों के साथ जानकारी साझा किया गया जिसमें रायगढ़ और सक्ती के बेहतर कॉर्डिनेशन और पुलिस की सघन नाकेबंदी में बाराद्वार-जैजेपुर मार्ग पर आरोपियों द्वारा कार को छोड़कर फरार हो गए।

रायगढ़ पुलिस ने लूटी गई स्वीफ्ट डिजायर कार सीजी 13बीए 5441 बाराद्वार-जैजेपुर मार्ग से बरामद कर लिया है और पीड़ित पंकज सिंह के रिपोर्ट पर थाना कोतरारोड़ में लूट का अपराध कायम कर आरोपियों की तलाश की जा रही है। इस संबंध में रायगढ़ पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने बताया कि कोतरा रोड थाना क्षेत्र में दो अज्ञात लोगों के द्वारा कार लूटने की घटना सामने आई है। जिसमें दो युवकों ने रायगढ़ रेलवे स्टेशन से गाड़ी बुक करके उसे टीपाखोल लेकर गए और चालक को चाकू मारकर कार लेकर फरार हो गए हैं। इस मामले में अलग-अलग टीम बनाकर कार्रवाई की जा रही है।

हादसा: तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत और दूसरा घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा में एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार युवकों को साइड से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई जबकि पीछे बैठे युवक को मामूली चोट आई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, देर रात निजी फाइनेंस कंपनी में काम करने वाले फाइनेंस मैनेजर और उनका साथी बाइक से पेंड्रा के अमरपुर से अपना काम निपटाकर वापस पेंड्रा आ रहे थे। उसी दौरान पेंड्रा अमरपुर मुख्यमार्ग पर लल्लू ढाबा के पास पीछे तेज रफ्तार आ रहे कोयले से भरे ट्रेलर ने बाइक को साइड से टक्कर मार दी और फरार हो गया। हादसे में बाइक चला रहे शख्स की मौके पर मौत हो गई जबकि बाइक पर पीछे बैठा युवक टक्कर लगने से सड़क से दूर जा गिरा और हेलमेट पहने होने के चलते बाल बाल बच गया। उसे मामूली चोट ही आई। जिसके बाद आसपास के लोग उन दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया।

मृतक की शिनाख्त मध्यप्रदेश के कोतमा के बदरा के रहने वाले श्रीकांत पांडेय के रूप में हुई है, जिसने 20 दिन पहले ही पेंड्रा स्थित बजाज फाइनेंस कंपनी में फाइनेंस मैनेजर के रूप में जॉइनिंग की थी। घटना की सूचना पर पेंड्रा पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुट गई है तो घटना के बाद से ट्रेलर चालक ट्रेलर लेकर फरार हुए है उसकी तलाश की जा रही है।

बिलासपुर में लोमड़ी का आतंक, दातुन तोड़ रहे ग्रामीण पर अटैक, हमले में चार लोग घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। जिले के अचानकमार टाइगर रिजर्व एरिया के सीमावर्ती क्षेत्र से लोमड़ी अब रतनपुर के जंगल में आ गए हैं। बुधवार को लोमड़ी ने दातुन तोड़ने जंगल गए ग्रामीण पर हमला कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर 3 लोग बचाने आए, तब लोमड़ी ने उन पर भी अटैक कर दिया। मामला रतनपुर वन परिक्षेत्र के कुवांजति जंगल का है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार घायलों में जीवन दास, चैन सिंह, रैन सिंह और गोपाल शामिल है। इलाज के लिए 108 की मदद से रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। वन विभाग की टीम को जंगल में लोमड़ी के हमला करने की खबर मिलते ही अलर्ट मोड पर आ गई। वन विभाग की टीम गांव पहुंची। टीम ने घायल ग्रामीणों को 500-500 रुपए आर्थिक सहायता राशि दी है। साथ ही आसपास के गांव के लोगों को लोमड़ी से बचने मुनादी भी कराई गई है।

खुड़िया रेंज में भी लोमड़ी ने किया था हमला

पिछले सप्ताह लोमड़ी ने अचानकमार टाइगर रिजर्व एरिया के खुड़िया के जंगल में कारीडोंगरी और दरवाजा गांव के लोगों पर हमला कर दिया था। इस घटना के बाद बिलासपुर से रेस्कयू टीम लोमड़ी को पकड़ने दोनों गावों गई थी। लेकिन, लोमड़ी का पता नहीं चला। वन विभाग के अफसरों का कहना है कि लोमड़ी वैसे तो खतरनाक पशु नहीं हैं, लेकिन उनके रहवास पर पानी भर जाए या फिर छेड़छाड़ होती है, तब उन्हें बाहर निकलना पड़ता है। उस स्थिति में कभी-कभी वह आक्रामक होकर हमला कर देते हैं। वन विभाग की टीम ने लोमड़ी का पता लगाया, लेकिन वह जंगल की तरफ भाग गया था।

रेत माफिया ने वन अफसरों का सिर फोड़ा, 6 किमी दूर छोड़कर भागे

■ कबीरधाम जिले के कुकदुर थाना क्षेत्र का मामला, पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कवर्धा शहर के कुकदुर थाना क्षेत्र के डालामौहा गांव में रेत माफियाओं ने वन विकास निगम के अमले पर जानलेवा हमला कर दिया। वर्दी फाड़ दी और लाठी-डंडों से पिटाई की गई, जिसमें दो वन अफसर बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। रेत माफियाओं की गुंडागर्दी यहीं नहीं थमा। खून से लथपथ दोनों अफसरों को जेसीबी मशीन के पंजे में डालकर 6 किमी दूर कामठी लाकर छोड़ा गया।

घटना 22 व 23 सितंबर की रात करीब 1 बजे की है। घायल दोनों वन अफसरों के सिर फूट गए हैं। जानकारी के मुताबिक पीड़ित गणेश चंद्रवंशी (31) कुकदूर बीट क्रमांक पी/1467 के सर्किल प्रभारी हैं। 22 सितंबर की रात ग्राम डालामौहा के कुदूर झोरी नाले में रेत के अवैध उत्खनन की सूचना मिली थी। इस पर वे वन विकास निगम के अधिकारी अनिल कुर्रे समेत 5 स्टाफ के साथ गांव पहुंचे। जहां रेत से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली कीचड़ में फंसी थी। आसपास कोई नहीं था तो दो स्टाफ को वहीं छोड़ा। थोड़ी दूर जाकर कुदूर झोरी नाला के अंदर 6-7 ट्रैक्टर ट्रॉली में रेत भरते दिखे। तभी रेत माफियाओं ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया।

हमला होने पर स्टाफ के लोग जान बचाकर भागे

हमला होने पर वन निगम स्टाफ के लोग जान बचाकर भागे। वहीं सर्किल प्रभारी गणेश चंद्रवंशी और अनिल कुर्रे को पकड़कर रेत माफियाओं ने डंडे से पीटा। पिटाई से दोनों लहूलुहान हो गए थे। उसी हालत में रेत माफिया ने दोनों अफसरों को जेसीबी मशीन के पंजे में डाला और 6 किमी दूर ग्राम कामठी लेकर आए। कामठी में घायल दोनों वन अफसर पानी मांगते रहे, लेकिन माफिया उन्हें जान से मारने की धमकी देते रहे। बाकायदा इसका वीडियो भी बनाया। हमलावर करीब 20 थे। घायल अफसरों ने हमलावरों में से आरोपी सालिक गोंड निवासी पंडरीखार और ग्राम डालामौहा निवासी पंचराम गोंड के बेटे की पहचान कर ली है।

रेत चोरी कर ठेकेदारों को बेच रहे हैं माफिया

प्रधानमंत्री जन-मन योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा बहुल गांवों में 47 पीएम सड़क स्वीकृत है। स्वीकृत 47 में से 42 सड़कों का काम शुरू हो गया है। निर्माणाधीन सड़क पर पुल-पुलिया बनाने स्थानीय नदी-नालों की रेत का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। रेत माफिया नदियों से रेत उत्खनन कर ठेकेदारों को बेच रहे हैं। क्षेत्र के कई स्थानों पर रोड किनारे रेत डंप किए गए हैं। ग्राम नेउर में ही सड़क के दोनों ओर 1 हजार ट्रिप से ज्यादा रेत डंप है। ठेकेदारों ने वहां कैंप खोले हैं और बाकायदा कैमरे भी लगाए हैं। ग्राम देवसरा, कामठी और भांकुर में रोड किनारे दोनों ओर सैकड़ों ट्रिप रेत डंप पड़ी है। यही नहीं, भांकुर में तो स्कूल मैदान को रेत का डंपिंग एरिया बना दिया है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद

Phone No.: 07749-222370, Email Id:- ee-res.balod@gov.in

(Zonal Tender) सूचना प्रथम बार

क्रमांक/09/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2024-25 बालोद, दिनांक 24.09.2024

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से निम्न दर्शित क्षेत्रीय निविदा (Zonal Tender) हेतु जनपद पंचायत (ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र हेतु) बालोद / गुरूर / डौण्डी/गुण्डरदेही डौण्डीलोहारा ग्रुप (अ. ब, स, द एवं ई) निविदा हेतु प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01.11.2021 से एवं विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रचलित तथा सिविल कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग के दिनांक 01.01.2015 एवं नलकुप खनन हेतु प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायपुर द्वारा दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील दर अनुसूची की मुद्रित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर निविदा प्रतिशत दर पर दिनांक 10.10.2024 को अपरान्ह 5.30 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है तथा प्राप्त निविदाओं को दिनांक 14.10.2024 को 11:30 बजे पूर्वान्ह में खोली जावेगी :-

(1) निविदा राशि रू. 20.00 लाख प्रत्येक ग्रुप
(2) अमानत राशि रू. 20000.00 प्रत्येक ग्रुप
(3) निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. 750.00 प्रत्येक ग्रुप

निविदा दस्तावेज कार्यालय द्वारा विकय नहीं किया जावेगा, ऑनलाईन पोर्टल https://res.cg.gov.in/ अन्य पोर्टल जिसे निविदा विज्ञप्ति में दर्शाया गया है दिनांक 24.09.2024 से डाउनलोड किया जा सकता है एवं कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर देखी जा सकती है।

जी-242502785/4

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बालोद
जिला-बालोद (छ.ग.)

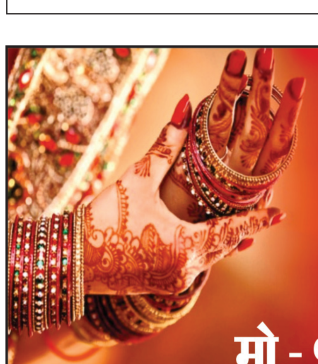

भिलाई की सबसे बड़ी
चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P. happy journey
AMERICAN TOURISTER

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

साय सरकार की रोजगार सृजन नीतियों का असर, सबसे कम बेरोजगारी वाले राज्यों में शुमार हुआ छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ने रोजगार सृजन के मामले में देश भर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। हाल ही में जारी पीएलएफसी की रिपोर्ट के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। राज्य में चल रहे रोजगार सृजन और विकास प्रयासों के कारण छत्तीसगढ़ अब उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़ चुका है, जो बेरोजगारी दर के मामले में राज्य की बड़ी सफलता को दर्शाता है। ग़ौरतलब है कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा पीएलएफएस के लिए नमूना सर्वेक्षण और डेटा संग्रह का कार्य किया जाता है। जो कि भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में, छत्तीसगढ़ सरकार ने बेरोजगारी को कम करने और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं।

सरकार ने हाल ही में पुलिस, स्वास्थ्य, पीएचई (सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी) और पंचायत विभागों में 1,068 पदों पर भर्ती को मंजूरी दी है। इन भर्तियों से राज्य में युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर मिलेंगे, जिससे राज्य की विभिन्न योजनाओं को ज़मीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने इस बात पर जोर दिया है कि यह पहल राज्य के विकास को गति देने के साथ-साथ युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगी।

छत्तीसगढ़ सरकार ने खासतौर पर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने स्वरोजगार और कौशल विकास को प्रोत्साहन देने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं, ताकि गांव के युवाओं को अपने ही इलाके में काम करने का अवसर मिल सके और उन्हें महानगरों की ओर पलायन न करना पड़े।

छत्तीसगढ़ का विकास और प्रधानमंत्री मोदी का विज़न

छत्तीसगढ़ राज्य, जो कि पहले से ही अपने प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है, अब रोजगार सृजन और विकास के क्षेत्र में भी देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को भी साकार कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के जरिए सरकार ने राज्य के आर्थिक और सामाजिक विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस प्रकार देश के हर कोने में विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है, छत्तीसगढ़ सरकार उसी दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस दिशा में प्रदेश के प्रत्येक गांव में रोजगार सृजन की योजनाओं का विस्तार करने का संकल्प लिया है, ताकि राज्य का हर युवा आत्मनिर्भर बन सके और राज्य का विकास तेज़ी से हो सके।

पीएलएफसी रिपोर्ट में अन्य राज्यों की स्थिति

पीएलएफसी की रिपोर्ट ने देश भर के विभिन्न राज्यों में बेरोजगारी के आंकड़ों का भी खुलासा किया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, केरल में बेरोजगारी दर सबसे अधिक रही, जहां 15-29 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं में बेरोजगारी दर 29.9 फीसद दर्ज की गई। केरल में महिलाओं में बेरोजगारी दर 47.1 फीसद और पुरुषों में 19.3 फीसद रही। इसके अलावा, लक्षद्वीप में बेरोजगारी दर सबसे अधिक 36.2 फीसद दर्ज की गई, जिसके बाद अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में यह दर 33.6 फीसद रही। इसके विपरीत छत्तीसगढ़ ने देश में सबसे कम बेरोजगारी दर वाले राज्यों में पांचवां स्थान प्राप्त किया है, जो राज्य सरकार की रोजगार सृजन नीतियों की सफलता का प्रतीक है।

शिक्षा और कौशल विकास पर जोर

छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा और कौशल विकास को रोजगार सृजन के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में माना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे युवाओं को तकनीकी और व्यावसायिक कौशल प्रदान करने के लिए विशेष प्रयास करें, जिससे वे नए उद्योगों में काम करने के लिए तैयार हो सकें। राज्य में कई कौशल विकास केंद्र खोले गए हैं, जहां युवाओं को आधुनिक तकनीकों और कौशलों की शिक्षा दी जा रही है, ताकि वे रोजगार के नए अवसरों का लाभ उठा सकें।

सीएम ने गृहग्राम से की मोर बूथ-मोर अभिमान कार्यक्रम में शिरकत, कहा-

हर बूथ में जाएंगे, 100 सदस्य बनाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बगिया/रायपुर। अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने गृहग्राम बगिया में मोर बूथ-मोर अभियान सदस्यता कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय हम सभी के आदर्श पुरुष और मार्गदर्शक हैं, जिन्होंने हमें एकात्म माननवाद और अंत्योदय का पाठ पढ़ाया। आज उनके बताए हुए रास्ते पर चलकर हम छत्तीसगढ़ के लोगों की उन्नति के लिए काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंत्योदय का अर्थ है समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति की सेवा, जिसके लिए हम पूर्ण रूप से संकल्पित हैं।

सीएम साय ने सदस्यता अभियान के तहत स्थानीय निवासियों को पार्टी की सदस्यता दिलाई और अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है, जिसके 18 करोड़ सदस्य हैं। ऐसे में पार्टी द्वारा हर 6 साल में संगठन पर्व सदस्यता अभियान और मोर बूथ - मोर अभियान के तहत सदस्यों के नवीनीकरण का कार्य, पार्टी के अंत्योदय के लक्ष्य और पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

हर बूथ में जाएंगे, 100 सदस्य बनाएँगे का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज उन्हें झारखंड भी जाना है, लेकिन पार्टी के निर्देश पर मोर बूथ- मोर अभियान के तहत सबसे पहले अपने बूथ में 100 सदस्यों को जोड़ने वे अपने गांव आए हैं। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय अध्यक्ष, मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, सांसद, विधायक सबको अपने बूथ में 100 सदस्य बनाना है। विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भाजपा को 50 लाख सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला है, जिसके तहत अभी 19 लाख सदस्य बनना हर्ष का विषय है। उन्होंने जशपुर जिला भाजपा के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जशपुर जिले में अभी तक 40 हजार लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है, जिसका मैं स्वागत करता हूँ। आगामी दिनों में जिले में डेढ़ लाख सदस्य बनाने के लक्ष्य को पार्टी जरूर पूरा करेगी। कार्यक्रम में जशपुर जिला भाजपा अध्यक्ष सुनील गुप्ता, उपाध्यक्ष द्वय सुनील अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक रोहित साय, मंडल अध्यक्ष रोशन प्रताप, अनिल अग्रवाल, सुनील चौधरी, अन्य गणमान्य जन, भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

पगडंडियों पर चलकर खेत पहुंचे मंत्री वर्मा सर्वेयर बन किया खसरा का सत्यापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बलौदाबाजार भाटापारा जिले के ग्राम सकरी में डिजिटल क्रॉप सर्वे का अवलोकन किया। उन्होंने पगडंडियों से चलकर बीच खेत में पहुंचकर मोबाइल के माध्यम से जियो-रिफ्रेंसिंग के जरिए एंट्री कर खसरा का सत्यापन किया। इसके लिए मंत्री श्री वर्मा स्वयं सर्वेयर बने।

उन्होंने ग्राम सकरी के किसान नेतराम साहू के खेत खसरा नंबर 1150, 1151 एवं 1152 का सत्यापन कार्य पूर्ण किया। श्री वर्मा ने कहा कि भारत को 2047 तक विकसित भारत के रूप में विकसित करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखा है, जिसके तहत सभी सरकारी कामकाजों में डिजिटल टेक्नोलॉजी का उपयोग सरकार कर रही है। डिजिटल क्रॉप सर्वे भी उसका एक उदाहरण है। इससे फसल की सटीक जानकारी मुहैया होती है।

गौरतलब है कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में निजी सर्वेयर की भूमिका जियो-रिफ्रेंस के रूप में होती, जो डिजिटल रूप से फसल का सर्वे सभी खेतों में जाकर करेंगे। निजी सर्वेयर को प्रतिदिन 30 से 50 खसरों का टास्क दिए गए है। जिसे सर्वेयर खेत में जाकर लॉगिन करेंगे। उनसे तहसीलदार पूछेंगे क्या आप उपलब्ध हैं और हां में जवाब आएगा। वैसे ही एप में प्लॉट की स्थिति, खसरा नंबर, एरिया ऑनर का नाम अपने आप फीड हो जाएगा। जो क्रॉप लगी है उसका तीन फोटो लॉन्गिट्यूट लैटिट्यूट के साथ अपलोड करना है। इस प्रकार एक नंबर का कार्य पूर्ण होगा। जिसमें पटवारी की भूमिका पर्यवेक्षक और राजस्व निरीक्षक की भूमिका सत्यापनकर्ता तथा तहसीलदार व नायब तहसीलदार की भूमिका जांचकर्ता अधिकारी के रूप में की गई है।

युगदृष्टा थे पंडित दीनदयाल उपाध्याय- साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया में एकात्म मानववाद के प्रवर्तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया है। श्री साय ने कहा है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक ऐसे युगदृष्टा थे, जिनके विचारों व सिद्धांतों ने देश को एक प्रगतिशील विचारधारा देने का काम किया।

श्री साय ने कहा कि उनकी विचारधारा राष्ट्र के पुनर्निर्माण और भारत के गौरव को पुन: स्थापित करने के लिए थी। उन्होंने जन समुदाय को सशक्त बनाने की दिशा में आजीवन काम किया। उनका मानना था कि जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति का विकास नहीं होता, तब तक समाज का समग्र विकास संभव नहीं है। इस विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते उनके जन्मदिन को अंत्योदय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन भारतीय समाज में गरीबों और वंचितों के उत्थान के प्रति समर्पण को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके अंत्योदय सिद्धांत पर चलकर हम समस्त जनमानस का जीवन स्तर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे सदैव हमारे प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।

मुख्यमंत्री के सुशासन में सिकलसेल एनीमिया के खिलाफ विशेष अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य जीवन की पूंजी है। इसी विश्वास के साथ छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव सरकार सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। विष्णु के सुशासन से छत्तीसगढ स्वस्थ हो रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेशभर में सिकलसेल एनीमिया उन्मूलन हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि छत्तीसगढ़ से सिकलसेल बीमारी को विदा करना है और इसके लिए हम सब मिलकर प्रयास करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य राज्य को सिकलसेल जैसे बीमारी से मुक्त कराना और लोगों में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

इस अभियान के तहत् राज्य में पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर विशेष कैंप आयोजित कर 40 वर्ष तक के लोगों को संभावित लक्षणों के आधार पर पहचान कर आवश्यक उपचार और दवाई उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही साथ प्रत्येक गर्भवती महिलाओं की सिकलसेल जांच सुनिश्चित की जा रही है। जिससे कि जन्म लेने वाले प्रत्येक शिशु स्वस्थ्य और सिकल सेल मुक्त हो।

गौरतलब है कि सिकल सेल एक अनुवांशिक रक्त विकार है। इससे अनेक स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। जिसमें लाल रक्त कणिका के सामान्य आकार में परिवर्तन होकर हसिया के आकार का हो जाता है। रक्त कणिकाओं का हसिया आकार होने के कारण इसकी ऑक्सीजन वहन क्षमता कम हो जाती है और ये कणिकाएं रक्त वाहिकाओं में चिपकने लगती है। इसके कारण शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन आपूर्ति में समस्या आती है, जिससे पीड़ित व्यक्ति को शरीर में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, बुखार जैसे समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल वाहक और सिकल सेल रोगी दो प्रकार के होते हैं। सिकल सेल वाहक में गंभीर लक्षण नहीं होते पर यह विकार को अगली पीढ़ी में बढ़ाते हैं।

पर्यटन के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ कल होगा सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल होने जा रही है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित द बेस्ट टूरिज्म विलेज कम्पटिशन 2024 के तहत बस्तर जिले के ढूढमारस और चित्रकोट गांवों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। बस्तर के ढूढमारस गांव को एडवेंचर टूरिज्म के क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन तथा चित्रकोट को सामुदायिक आधारित पर्यटन में उत्कृष्ट कार्य के लिए यह सम्मान मिलेगा। यह सम्मान 27 सितंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित विश्व पर्यटन दिवस समारोह में प्रदान किया जाएगा।

मुख्यमंत्री साय का पर्यटन विकास का विजन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं की घोषणा की है। धार्मिक पर्यटन के तहत, राज्य में पांच शक्तिपीठों, सूरजपुर का कुदरगढ़, चंद्रपुर का चंद्रहासिनी मंदिर, रतनपुर का महामाया मंदिर, डोंगरगढ़ का बम्लेश्वरी मंदिर और दंतेवाड़ा का दंतेश्वरी मंदिर का विकास किया जा रहा है। इसके अलावा, प्रदेश में इको टूरिज्म और मेडिकल टूरिज्म में राज्य सरकार का विशेष फोकस है। राज्य सरकार ने धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए ग्रांट बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संरक्षित करते हुए इनके आयोजनों की तैयारी में तेजी आएगी। बस्तर दशहरा का आयोजन इस बार विशेष रूप से भव्य और विशाल होगा। यह पर्व न केवल स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित करेगा, बल्कि पर्यटकों के लिए भी एक आकर्षण का केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारा उद्देश्य छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना है, जहाँ पर्यटकों को हमारे वन्य जीवन, जनजातीय धरोहर और प्राकृतिक सौंदर्य का अनुभव हो। उनके विजन के अनुसार, राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में वेलनेस टूरिज्म, कृषि पर्यटन और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अलावा, मनोरंजन पार्कों और सांस्कृतिक केंद्रों का विकास भी राज्य के पर्यटन को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध हो रहा है। अमृत काल विजन डॉक्यूमेंट 2024 के तहत मुख्यमंत्री ने राज्य की पर्यटन आकांक्षाओं को एक रूप देने की बात कही है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ को वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए व्यापक कार्य किया जा रहा है, जहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

चित्रकोट और ढूढमारस की धरोहर

छत्तीसगढ़ के ये दोनों गांव, ढूढमारस और चित्रकोट, राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक संपदा के प्रतीक हैं। चित्रकोट का प्रसिद्ध जलप्रपात, जिसे भारत का नियाग्रा भी कहा जाता है, पर्यटकों के लिए एक अद्वितीय आकर्षण है। वहीं, ढूढमारस गांव अपने एडवेंचर टूरिज्म के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ पर्यटक रोमांचक गतिविधियों का अनुभव कर सकते हैं। इन दोनों गांवों का सम्मानित होना राज्य के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक विशेष उपलब्धि है। यह न केवल छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराओं की पहचान को मजबूत करेगा, बल्कि राज्य के पर्यावरणीय पर्यटन को भी नया आयाम देगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ के जनता, अधिकारियों और स्थानीय समुदायों को बधाई दी। उन्होंने कहा, यह पुरस्कार हमारी सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरणीय संपदा की विजय है। हमारा लक्ष्य पर्यटन को राज्य की समृद्धि और विकास का प्रमुख साधन बनाना है।

मोदी के विजन पर आधारित छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि पर्यटन भारत की सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तिकरण का भी एक प्रभावी साधन है। उनका दृष्टिकोण है कि पर्यावरण संरक्षण के साथ स्थायी और समावेशी पर्यटन का विकास किया जाए, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले। इस दिशा में छत्तीसगढ़ सरकार ने भी ठोस कदम उठाए हैं। राज्य ने अपनी वन संपदा, जनजातीय परंपराओं और प्राकृतिक धरोहर को संरक्षित करते हुए इन क्षेत्रों में पर्यटन का विकास किया है। पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ स्थानीय लोगों को रोजगार देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता को पर्यटन के माध्यम से वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950